www.tamsasanket.com
वर्षः 30|| अंक 15 ||अम्बेडकरनगर
सोमवार
06 अप्रैल 2026||पृष्ठः 08||मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:53
सूर्यास्तः 06:25
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 21°00

» पेज 07

विशेष समाचार हमारी परंपरा है वंदे मातरम... » पेज 04 | सरकारी डॉक्टर को ट्रक ने रौंदा... » पेज 06 | 300 लड़कियों को पछाड़कर...

अधिकारियों को बनाया जा रहा बंधक, बंगाल में बोले पीएम मोदी

'ताक पर रखा संविधान'

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार, घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार ने जनता को भय और असुरक्षा के माहौल में धकेल दिया है। PM मोदी ने कहा- टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा और जनता का लूटा हुआ पैसा वापस कराया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने संदेशखाली जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बताया। एक ओर TMC के करप्शन का भय है तो दूसरी तरफ विकास को रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है। एक और TMC के घुसपैठ कराने का भय है तो दूसरी ओर घुसपैठियों को भगाने वाली भाजपा पर भरोसा है।

» (शेष पेज 06 पर)

- टीएमसी के नेता विकास के पैसों का कमीशन खोजने में लगे है
- बंगाल में पहले कांग्रेस, फिर लेफ्ट और अब टीएमसी का ग्रहण
- बंगाल शक्ति पूजा की धरती है - पीएम मोदी

पीएम मोदी बोले- टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका

पीएम मोदी बोले- ये लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तुष्टिकरण के इस खेल में बंगाल की महान पहचान को बदला जा रहा है। अभी TMC ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है, लेकिन उसका नाम उन्होंने बांग्ला भाषा में नहीं रखा, बल्कि उसे इश्तेहार कहा जा रहा है। सोचिए कि कैसे पश्चिम बंगाल की पहचान को बदल रहे हैं। आप जानते हैं कि इश्तेहार का इस्तेमाल बंगाल में किसलिए हुआ था। 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी हमें उसी की याद दिलाना चाहती है। आपको भूलना नहीं है कि यहां निर्मम सरकार में खुलेआम धमकी दी जा रही है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार का चुनाव आपके बच्चों का भविष्य तय करने वाला है। इसलिए आप बच्चों के भविष्य के लिए वोट दीजिए। आप अपना वोट अपने परिवार के लिए दीजिए। बीजेपी को वोट देकर परिवर्तन पर मुहर लगाइए। मुझे चुनाव आयोग पर विश्वास है कि इस बार निष्पक्ष चुनाव होगा।

बंगाल एक समय भारत के सबसे बड़े विकसित राज्यों में से एक होता था। हर क्षेत्र में बंगाल आगे रखा था, लेकिन फिर बंगाल पर ग्रहण लग गया। पहले कांग्रेस का, फिर लेफ्ट का और अब टीएमसी का ग्रहण। - पीएम मोदी

इधर राहुल गांधी ने बिश्वनाथ चारियाली में चुनावी रैली की

राहुल गांधी ने आज असम के बिश्वनाथ चारियाली में चुनावी रैली किया। उन्होंने कहा- असम के हिमंत भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं, वे सिर्फ नफरत फैलाते हैं। कांग्रेस के सत्ता में आने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हिमंत को माफी मांगने पर भी नहीं बख्शा जाएगा। राहुल ने कहा कि वे इस तरह इसलिए बात करते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' उन्हें जेल में डालने वाले हैं। तब उन्हें असम की जनता और कांग्रेस नेताओं से माफी मांगनी पड़ेगी। कांग्रेस की विचारधारा जुबीन गर्ग जैसी है, जिन्होंने असम के लोगों को एकजुट करने का काम किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- घुसपैठियों को सीधा टीएमसी का समर्थन मिलता

तृणमूल के शासन काल में बंगाल की डेमोक्रेसी में भयंकर बदलाव आया है। इन घुसपैठियों को सीधा TMC का समर्थन मिलता है। इसलिए भारत सरकार घुसपैठियों को पहचान कर उन्हें बाहर निकालने का काम कर रही है। दुनिया के बड़े-बड़े देश अपने देश घुसपैठियों को बाहर निकाल रहे है। लेकिन पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों की बचाने की कोशिश होती है। इसलिए TMC सरकार SIR का विरोध करती है।

टीएमसी के शासन काल में बंगाल की डेमोक्रेसी में भयंकर बदलाव आया है। इन घुसपैठियों को सीधा टीएमसी का समर्थन मिलता है। इसलिए भारत सरकार घुसपैठियों को पहचान कर उन्हें बाहर निकालने का काम कर रही है। - मोदी

बंगालः ममता बनर्जी बोले- ईवीएम को 24 घंटे निगरानी में रखें

मुर्शिदाबाद में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भवानीपुर सीट से TMC उम्मीदवार ममता बनर्जी ने कहा कि सभी EVM मशीनों की अच्छी तरह जांच की जाए। बूथ एजेंट भी उन्हें ध्यान से देखें। उन्होंने कहा कि मतदान के बाद केंद्रीय बलों की मौजूदगी में मशीनों से छेड़छाड़ की आशंका हो सकती है, इसलिए 24 घंटे निगरानी रखनी जरूरी है। ममता ने कहा कि EVM के साथ किसी तरह की हैकिंग या गड़बड़ी न हो, इस पर खास नजर रखी जाए।

नंदीग्राम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी का दौरा, कहा- निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव होंगे

पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर में मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा कि वे उन गांवों का दौरा कर रहे हैं, जहां पहले हिंसा हुई थी और आगे भी हर जिले में जाकर लोगों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित किए जाएंगे और कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। लोगों से बिना डर और बिना किसी दबाव के मतदान करने की अपील की गई।

केरलः अमित शाह बोले- यह सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, भविष्य तय करने का चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के एर्नाकुलम में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केरल का यह चुनाव राज्य के भविष्य से जुड़ा है। अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव केवल LDF सरकार को हटाकर NDA को लाने का नहीं, बल्कि केरल के भविष्य को तय करने का है। केरल देश का पहला पूर्ण साक्षर राज्य रहा है, यहां के युवा शिक्षित और सक्षम हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त रोजगार नहीं मिल रहा।

असमः जेपी नड्डा बोले- मोदी-सरमा के नेतृत्व में विकास की नई कहानी लिखी

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुवाहाटी के पाथर क्वारी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो असम कभी पिछड़ा माना जाता था, वह आज विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में जो विकास हुआ, उसे मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जमीन तक पहुंचाया है और विकास की नई कहानी लिखी है। अब असम एक विकसित राज्य के रूप में आगे बढ़ेगा।

ईरान के पहाड़ों में छिपा था अमेरिकी पायलट

36 घंटे में दुश्मन के बीच से बचाया

ऑपरेशन

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के एक F-15 फाइटर जेट को ईरान के ऊपर मार गिराए जाने के 36 घंटे बाद उसके दोनों पायलट को अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने बचा लिया है। शनिवार को स्पेशल कमांडो यूनिट ने दर्जनों लड़ाकू विमानों के साथ ईरान में ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए।

इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन अंत में अमेरिकी टीम पायलट को सुरक्षित निकालने में सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया है।

- ट्रम्प बोले- यह इतिहास का सबसे साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन

» (शेष पेज 06 पर)

विधानसभा चुनाव से पहले पांच राज्यों से 650 करोड़ की नकदी हुई जब्त

शराब, नशीले पदार्थ और उपहार सामग्री भी जब्त

निगरानी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष बनाने के लिए सख्ती तेज कर दी है. आयोग की निगरानी में अब तक 651.51 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी, शराब, नशीले पदार्थ और मुफ्त बांटने के लिए लाई जा रही सामग्री जब्त की गई है. आयोग के अनुसार, इस व्यापक अभियान के तहत 5,173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए गए हैं, ताकि चुनाव से जुड़ी शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के भीतर किया जा सके. इसके अलावा 5,200 से ज्यादा स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) भी विभिन्न स्थानों पर नाकेबंदी और जांच में लगी हुई हैं. 26 फरवरी 2026 को इलेक्ट्रॉनिक सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) के सक्रिय होने के बाद से 5 अप्रैल तक के आंकड़े सामने आए हैं. पश्चिम बंगाल में कुल 319 करोड़ रुपए की जब्ती हुई. इसमें 55 करोड़ की शराब, 65 करोड़ के मादक पदार्थ, 39 करोड़ की कीमती धातुएं और करीब 150 करोड़ की उपहार सामग्री शामिल है.

- आदर्श आचार संहिता के सख्त पालन के निर्देश

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

केजरीवाल की हाईकोर्ट में अर्जी

गोरखपुर । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में खुद को मामले से अलग करने की अर्जी दी। यह अर्जी कथित शराब घोटाले से संबंधित है। अन्य पूर्व आरोपियों ने भी न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष ऐसी अर्जी दी।

बयान दावा

राघव चड्ढा बोले- ये तो ट्रेलर, पिक्चर अभी बाकी है

मोहाली । आम आदमी पार्टी से चल रही तकरार के बीच राघव चड्ढा ने नया पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है- मेरे उन सहयोगियों के लिए जो मजबूर होकर वीडियो जारी कर रहे हैं और कह रहे हैं कि राघव चड्ढा संसद में पंजाब के मुद्दे उठाने में असफल रहे। उनके लिए एक छोटी झलक। कहानी अभी बाकी है। चड्ढा ने आगे लिखा- पंजाब मेरे लिए सिर्फ एक विषय नहीं है। यह मेरा घर है, मेरा कर्तव्य है, मेरी मिट्टी है, मेरी आत्मा है। राघव ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें उन्होंने पार्लियामेंट में अपनी स्पीच दिखाई हैं।

दिल्ली-एनसीआर और यूपी में दो दिन बारिश

नई दिल्ली । कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में 6 अप्रैल को तापमान 31-33 और रात का 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। साथ ही आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। मौसम विभाग ने 7 अप्रैल के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

असम सीएम की पत्नी के 3 पासपोर्ट : कांग्रेस

पूछा- कहां से आए 52000 करोड़

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी । कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर दोहरी नागरिकता का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि असम सीएम की पत्नी के पास तीन देशों मिस्र, एंटीगुआ-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं।

पवन खेड़ा ने कॉन्फ्रेंस में तीन पासपोर्ट भी दिखाए। उन्होंने कहा कि सरमा की राजनीति मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित है, जबकि उनकी पत्नी के पास दो मुस्लिम देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने आगे कहा ही हिमंता की पत्नी 52 हजार करोड़ रुपए की अमेरिकी कंपनी की भी मालिक हैं।

- कांग्रेस बोली- दुबई में प्रॉपर्टी और 52 हजार करोड़ कहां से आए
- हिमंत का जबाव- कांग्रेस के प्रोपेगेंडा का पर्दाफाश

» (शेष पेज 06 पर)

योगी बोले-उसे इस्लाम की सबसे बुरी मौत दी, गर्म तवे पर बांधकर जलाया

गाजी मियां माफिया था, महाराज सुहेलदेव ने जहन्नुम भेजा : योगी

समारोह

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । 'एक हजार साल पहले जो शौर्य महाराज सुहेलदेव ने दिखाया था, उसे सभी को जानना चाहिए। उन्होंने सोमनाथ मंदिर को तोड़ने वाले विदेशी आक्रांता को सिर्फ रोका ही नहीं, बल्कि ऐसी निर्मम मौत दी कि किसी की दोबारा ऐसा करने की हिम्मत नहीं हुई। सालार मसूद (गाजी मियां) माफिया से कम नहीं था। अभी जो माफिया मिट्टी में मिल गए हैं, उनका ही एक रूप था। उसने हमारे मंदिर तोड़े थे। महाराज

सुहेलदेव ने उसे ऐसी मौत दी थी, जो इस्लाम में सबसे खराब मानी जाती है। गर्म लोहे के तवे पर बांधा और जला दिया।' यह बात सीएम योगी ने रविवार को लखनऊ में कही। योगी भारतेंदु नाट्य अकादमी (बीएनए) के स्थापना की स्वर्ण जयंती समारोह पर बोल रहे थे। समारोह 12 अप्रैल तक चलेगा।

» (शेष पेज 06 पर)

'हम अपने नायकों को सम्मान देने पर परहेज करते हैं'

योगी ने कहा- हमारी समस्या क्या है? हम अपने नायकों को सम्मान देने पर परहेज करते हैं। यही कारण है कि एक वक्त समाज के नायकों को खलनायक के रूप में पेश किया गया। खलनायकों को हीरो बताया गया। इसका परिणाम हुआ कि समाज में उसी तरह के चरित्र सामने आते दिखाई दिए।

योगी ने फिल्म 'धुरंधर' और विपक्षी नेताओं का नाम लिए बिना कहा- एक समय हमारे संस्थानों पर ऐसे लोगों को कब्जा हो गया था। जो पेशवर गुंडे-माफिया को नायक को रूप में पेश करते थे। आज सिनेमा सच्चाई दिखा रहा है। आज सिनेमा अच्छा करने की कोशिश कर रहा है। समाज भी उस अच्छाई को वैसे ही देख रहा है। समाज की संवेदनाएं देखनी है तो रामायण सीरियल को ले लीजिए। दुनिया का सबसे लोकप्रिय सीरियल रामायण ही है।

तैयारी : मुद्दों से लेकर आरोप-प्रत्यारोप तक तेज हुआ चुनावी माहौल

पांच राज्यों में गरमाई सियासत

2026 विधानसभा चुनाव

असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में अप्रैल में मतदान, मई में आएंगे नतीजे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ । देश में 2026 के विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। इस बार असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में चुनाव होने जा रहे हैं। सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है और चुनाव प्रचार के साथ-साथ आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी तेज हो गया है।

इन चुनावों के तहत 9 अप्रैल को असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान होगा, जबकि 23 अप्रैल को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। सभी

राज्यों के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे, जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि किस राज्य में किस दल की सरकार बनेगी।

» (शेष पेज 06 पर)

कुल मिलाकर, 2026 के विधानसभा चुनाव सिर्फ सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह देश की राजनीतिक तस्वीर को भी नया आकार देने वाले साबित हो सकते हैं। सभी की निगाहें अब मतदान और उसके बाद आने वाले नतीजों पर टिकी हुई हैं।

ट्रम्प ने ईरान को कहा बास्टर्ड

धमकी दी- होर्मुज खोलो, नहीं तो नरक बना दूंगा

धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहते हुए होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर बड़ा हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो उसे नरक बना देंगे। इसके साथ ही उन्होंने ईरान में पावर प्लांट और पुलों पर हमला करने की बात कही। ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा यानी हमला होगा।

» (शेष पेज 06 पर)

इराक ने ईरान को शुक्रिया कहा

इराक के विदेश मंत्री फुआद हुसैन ने ईरान को शुक्रिया कहा, क्योंकि उसने इराकी तेल टैंकरों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने दिया। इराक ने यह भी कहा कि वह युद्ध के खिलाफ है और शांति चाहता है।

- ईरान बोला- इस जंग में पाकिस्तान का कोई रोल नहीं
- ईरान में रेड क्रिसेंट सोसाइटी की एम्बुलेंस पर हमला

ईरान ने अल्टीमेटम ठुकराया

ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होर्मुज खोलने के अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने या समझौता करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि समय खत्म हो रहा है और ऐसा नहीं होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया जाएगा।

दूतावास के अधिकारियों के माध्यम से योगी सरकार कर रही यूपी के श्रमिकों की सतत निगरानी

इजराइल में पूरी तरह सुरक्षित हैं यूपी के 6000 से अधिक श्रमिक

निगरानी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। इजराइल में जारी तनावपूर्ण हालात के बीच उत्तर प्रदेश के 6000 से अधिक श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी श्रमिकों की नियमित निगरानी की जा रही है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. शन्मुगा सुंदरम लगातार इजराइल में भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और वहां मौजूद भारतीय, विशेषकर यूपी के श्रमिकों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। दूतावास से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इजराइल में कार्यरत सभी

भारतीय श्रमिक सुरक्षित हैं और फिलहाल किसी भी तरह की आपात स्थिति या बड़े खतरे की सूचना नहीं है। राजदूत ने यह भी जानकारी दी कि कुछ यूपी के श्रमिकों ने हाल ही में भारत से गए पत्रकारों का आतिथ्य भी किया, जो इस बात का संकेत है कि स्थिति नियंत्रण में है और श्रमिक सामान्य जीवन जी रहे हैं। भारतीय दूतावास की प्रथम सचिव डॉ. गरिका तेजेश्वर ने भी प्रमुख सचिव के साथ वार्तालाप में पुष्टि की है कि यूपी के सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और अब तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि कुछ भारतीय नागरिक, मुख्य

किसी भी श्रमिक की ओर से भारत लौटने का कोई विशेष दबाव या मांग नहीं

तनावपूर्ण हालात के बीच भी सभी श्रमिक सुरक्षित, जरूरत पड़ने पर की जा रही वापसी की व्यवस्था

सीएम योगी के निर्देश पर प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ. शन्मुगा सुंदरम नियमित रूप से भारतीय दूतावास के संपर्क में

रूप से व्यापारी और छात्र स्वेच्छा से वापस लौटे हैं, जिनकी जॉर्डन के रास्ते यात्रा में दूतावास ने सहायता की। यदि कोई श्रमिक लौटना चाहता है, तो उसके लिए भी यही व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि दूतावास के कंट्रोल रूम को अब तक कोई गंभीर या आपातकालीन संदेश प्राप्त नहीं हुआ है और सभी श्रमिक स्थानीय सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं। प्रमुख सचिव श्रम डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि इजराइल की पॉपुलेशन एंड इमिग्रेशन अथॉरिटी द्वारा संचालित कॉल सेंटर भी भारतीय श्रमिकों की सहायता के लिए सक्रिय है, जहां विभिन्न भाषाओं में सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

भारतीय राजदूत के साथ संपर्क में यूपी सरकार

इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह के साथ प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ शन्मुगा सुंदरम लगातार यूपी के श्रमिकों के विषय में अपडेट ले रहे हैं। डॉ शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि भारत के राजदूत जेपी सिंह के साथ टेलीफोन पर उनकी लगातार बातचीत हो रही है। 11, 17 और 28 मार्च को साझा किए गए अपने संदेशों में भारतीय राजदूत ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया है कि सभी भारतीय श्रमिक, जिनमें उत्तर प्रदेश के श्रमिक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से कुछ चिंता का माहौल है, लेकिन किसी भी श्रमिक की ओर से भारत लौटने का कोई विशेष दबाव या मांग नहीं आई है। दूतावास सभी के साथ लगातार संपर्क में है और उनकी हर जरूरत का ध्यान रखा जा रहा है।

योगी सरकार की लगातार निगरानी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार इस पूरे मामले पर गंभीरता से नजर बनाए हुए है। प्रमुख सचिव श्रम डॉ. शन्मुगा सुंदरम नियमित रूप से दूतावास के संपर्क में रहकर श्रमिकों की स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि विदेशों में कार्यरत प्रदेश के सभी श्रमिक सुरक्षित रहें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उत्तर प्रदेश के श्रमिकों तक भी सरकार का यह संदेश स्पष्ट रूप से पहुंच चुका है कि किसी भी परिस्थिति में सरकार उनके साथ खड़ी है और यदि वह घर लौटना चाहेंगे तो उनकी हर संभव मदद की जाएगी।

अलीगंज आईटीआई में 8 अप्रैल को रोजगार मेले का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में 8 अप्रैल को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। चयनित अभ्यर्थियों को लगभग 25,700 से 26,000 रुपये प्रतिमाह तक वेतन प्रदान किया जाएगा। संस्थान के प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्लंबर एवं फिटर ट्रेड से आईटीआई पास युवाओं की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से युवाओं को निजी क्षेत्र में स्थायी रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्लेसमेंट अधिकारी एम.ए. खान ने बताया कि ग्रीन गैस एजेंसी के माध्यम से 100 से 150 वर्कर्स की भर्ती का लक्ष्य निर्धारित किया

प्लंबर व फिटर ट्रेड के आईटीआई पास युवाओं की भर्ती, 25,700 रुपये तक मासिक वेतन

गया है। पहले चरण में 30 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा, जिसमें लखनऊ के लिए 20 पद एवं आगरा के लिए 10 पद निर्धारित हैं। यह भर्ती विशेष रूप से प्लंबर एवं फिटर ट्रेड से आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं के लिए आयोजित की जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्रों एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ 8 अप्रैल को आईटीआई अलीगंज परिसर में आयोजित रोजगार मेले में प्रतिभाग करें और इस अवसर का लाभ उठाएं।

फास्ट न्यूज

मशरूम व्यापारी से 1.34 लाख की ठगी

गोरखपुर। गोरखपुर में मशरूम व्यापारी से 1.34 लाख की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने एसबीआई कस्टमर केयर अधिकारी बनकर कॉल की। जिसके कहने पर व्यापारी ने 123 दबाया। इसके बाद बैंक खाते से पैसे कट गए। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मानबेला के रहने वाले राम कोमल निषाद (60) ने साइबर क्राइम थाना में शनिवार शाम को तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई है।

भारतेन्दु नाट्य अकादमी की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजन

लखनऊ। 1 हजार वर्ष पहले जो शौर्य पराक्रम महाराजा सुहेलदेव ने दिखाया था, सोमनाथ मंदिर को तोड़ने वाले विदेशी आक्रांता को रोका ही नहीं बल्कि मारा भी था, जिसके बाद किसी भी विदेशी आक्रांता की ऐसा करने की हिम्मत नहीं हुई। 1 हजार साल बाद हमारी सरकार को गौरव मिला कि महाराजा सुहेलदेव का स्मारक बना सके। जिस स्थान पर महाराजा सुहेल देव ने सालार मसूद को मारा था, वहां पूर्व सरकारों में सालार मसूद का मेला तो लगता था लेकिन महाराजा सुहेलदेव के लिए कुछ नहीं।

मुख्यमंत्री ने देखी 'आनंद मठ' की नाट्य प्रस्तुति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन व दो प्रेक्षागृहों के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां कलाविदों-पूर्व छात्रों का सम्मान, रंगवेद पत्रिका का विमोचन और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय रचित उपन्यास आनंदमठ की नाट्य प्रस्तुति भी देखी।

उत्तर प्रदेश में निजी किताबों पर दबाव रोकने का कड़ा आदेश

गुलाब देवी ने शिक्षा अधिकारियों को दिया स्पष्ट निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने अभिभावकों पर निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें खरीदने के लिए दबाव बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि सरकार के निर्देश हैं कि स्कूलों में केवल NCERT की किताबें ही बेची और पढ़ाई जाएँ। उन्होंने शिक्षा विभाग के निदेशक को निर्देश दिए हैं कि ऐसे मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर दोषियों को जेल भेजने का अभियान चलाया जाए। यह कदम संभल सहित विभिन्न स्थानों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद उठाया गया। अभिभावकों का आरोप है कि उन्हें NCERT की किताबों के बजाय निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि कहीं भी गड़बड़ी पाई जाती है, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की

- एनसीईआरटी की किताबें ही पढ़ाई में होंगी मान्य
- शिकायतों पर तत्काल संज्ञान
- सख्त कार्रवाई का ऐलान

जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि यह साबित होता है कि अभिभावकों पर दबाव बनाकर अन्य किताबें बेची जा रही हैं या NCERT की पुस्तकों के नाम पर ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं, तो एफआईआर दर्ज कर दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

जनगणना के बिना महिला आरक्षण पर सवाल: अखिलेश यादव का सरकार पर निशाना

'गिनती ही गलत होगी तो आरक्षण कैसे सही होगा'

2011 के आंकड़ों पर निर्भरता पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक सही जनगणना नहीं होगी, तब तक महिला आरक्षण का आधार ही कमजोर रहेगा। सपा प्रमुख ने कहा कि वर्तमान में 2011 की जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाना वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाता। उन्होंने इसे "कमजोर नींव" बताते हुए कहा कि जब आधार ही त्रुटिपूर्ण होगा, तो उससे मिलने वाले परिणाम भी निष्पक्ष और सटीक नहीं हो सकते। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि

जिस तरह खराब जमीन पर अच्छी फसल नहीं उग सकती, उसी तरह गलत आंकड़ों पर आधारित आरक्षण भी न्यायपूर्ण नहीं हो सकता। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी महिलाओं के अधिकारों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी स्थिति में उनके साथ अन्याय या छलावा नहीं होने दिया जाएगा।

सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

सपा प्रमुख ने सरकार की नीयत पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सरकार महिलाओं की वास्तविक संख्या सामने लाने से बच रही है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के हितों की बात करने वाली सरकार अगर सही आंकड़े ही सामने नहीं लाना चाहती, तो यह महिलाओं के साथ न्याय नहीं है।

आरक्षण का आधार 'संख्या', और संख्या का आधार 'जनगणना'

अखिलेश यादव ने कहा कि महिला आरक्षण का प्रावधान कुल सीटों के एक-तिहाई हिस्से पर आधारित है, जो पूरी तरह गणितीय सिद्धांतों पर टिका हुआ है। उन्होंने कहा कि गणित में किसी भी निष्कर्ष के लिए सटीक आंकड़े जरूरी होते हैं और ये आंकड़े केवल जनगणना से ही प्राप्त होते हैं। उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि अगर महिलाओं की जनसंख्या का आकलन पुराने और अप्रासंगिक आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा, तो इससे आरक्षण की पूरी व्यवस्था प्रभावित होगी।

पहले नई जनगणना, फिर आरक्षण की प्रक्रिया

अखिलेश यादव ने स्पष्ट मांग रखते हुए कहा कि सरकार को सबसे पहले नई जनगणना करानी चाहिए। उसके बाद ही महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर ठोस और प्रभावी निर्णय लिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बिना अद्यतन आंकड़ों के आरक्षण लागू करना केवल एक राजनीतिक निर्णय होगा, जो जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाता।

सरकार से स्पष्ट मांग

अंत में उन्होंने सरकार को संदेश देते हुए कहा कि
"जब तक जनगणना नहीं, तब तक महिला आरक्षण पर बहस नहीं।"
उन्होंने जोर देकर कहा कि सही आंकड़ों के बिना किसी भी आरक्षण नीति को लागू करना न केवल गलत होगा, बल्कि इससे समाज में असमानता भी बढ़ सकती है।

भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम ने महेंद्र नगर में सड़क का किया उद्घाटन

'विधायक निधि से बनी सड़क का लोकार्पण'

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। महेंद्र नगर फेस-1 स्मार्ट गली में विधायक निधि से निर्मित सड़क का लोकार्पण आज क्षेत्रीय विधायक समाजवादी पार्टी, भोजीपुरा माननीय शहजिल इस्लाम जी, पूर्व विधायक फरीदपुर श्री विजयपाल जी तथा पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष श्री अनिल पटेल जी के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर माननीय विधायक जी ने महेंद्र नगर स्मार्ट गली के निवासियों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में जो भी सड़क एवं नालियों के कार्य अधूरे हैं, उन्हें शीघ्र पूर्ण कराने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. जसपाल सिंह द्वारा स्मार्ट गली के निवासियों

की ओर से विधायक जी को एक प्रशंसा पत्र भेंट किया गया। साथ ही उन्होंने अपने संबोधन में इस सड़क निर्माण के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार स्थानीय निवासियों के सतत प्रयासों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से यह कार्य संभव हो सका। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ओमप्रकाश आर्य एवं रामदीन जी की विशेष एवं सक्रिय भूमिका रही। दोनों ने कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया तथा विधायक जी के

स्वागत में अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके कार्यों की सराहना भी की।

इसके साथ ही देवराज भारती जी एवं शिवराज सिंह राणा जी ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने इस सड़क निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए तथा कई बार विधायक जी से मिलकर इस कार्य को प्राथमिकता दिलाने का प्रयास किया। साथ ही विधायक जी एवं अन्य अतिथियों को कार्यक्रम में आमंत्रित करने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर क्षेत्र की अन्य गलियों से आए नागरिकों ने भी अपनी समस्याओं को लेकर माननीय विधायक जी को ज्ञापन सौंपा, जिस पर विधायक जी ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजीव यादव (जिला महासचिव, समाजवादी पार्टी), तनवीर उल इस्लाम, मुकेश यादव (पूर्व जिला अध्यक्ष,

- जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों के प्रयासों से संभव हुआ निर्माण कार्य
- कार्यक्रम में नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन, विधायक ने दिया सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन
- विधायक के स्वागत में प्रशंसा पत्र भेंट, विकास कार्यों की सराहना

समाजवादी छात्र सभा), गजेंद्र कुर्मी (पूर्व जिला अध्यक्ष, युवजन सभा), शिवराज सिंह राणा, डॉ. जसपाल सिंह, रविंद्र सहारा (एडवोकेट), देवराज भारती, ओमप्रकाश आर्य, रामदीन, महेश पटेल, उमेश गौतम, सुशील कुमार, श्रीमती श्वेता शर्मा, श्रीमती आकांक्षा, श्रीमती आशी एवं रजनी देवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन देवराज भारती जी द्वारा किया गया, जबकि अंत में कार्यक्रम का समापन रविंद्र सहारा (निवासी, महेंद्र नगर फेस-1) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

मंत्री ए.के. शर्मा के प्रयासों से मऊ में स्वास्थ्य सेवाओं को मिला बड़ा आयाम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के सतत एवं प्रभावी प्रयासों से जनपद मऊ में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। उनके विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत सरकार के उपक्रम एनटीपीसी के सहयोग से जिला अस्पताल मऊ में 62.10 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की स्थापना की जाएगी, जिससे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नया बल मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत जिला अस्पताल में इको मशीन, सी आर्म मशीन, लेप्रोस्कोपी एवं वेंटिलेटर सहित अन्य आधुनिक चिकित्सा उपकरण स्थापित किए जाएंगे। इन सुविधाओं के उपलब्ध होने से मरीजों को अब जटिल ऑपरेशन एवं गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर ही बेहतर उपचार की सुविधा मिलने से समय और धन दोनों की बचत होगी तथा मरीजों को त्वरित

एनटीपीसी के सहयोग से 62.10 लाख की लागत से जिला अस्पताल में विकसित होंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

राहत मिल सकेगी। शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उनके नजदीक ही उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि मऊ जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में यह पहल एक मील का पत्थर साबित होगी और इससे आमजन को सीधे लाभ पहुंचेगा।

सुविधा : बालिकाओं-महिलाओं का विद्यालय या कार्यस्थल तक का सफर रहेगा बेहद सुरक्षित

यूपी में तैयार हो रही महिला ई रिक्शा पायलटों की फौज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को नई ऊंचाई देने की दिशा में योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। 'सेफ मोबिलिटी प्रोग्राम' के तहत प्रदेश में महिला ई-रिक्शा पायलटों की फौज तैयार की जा रही है, जिससे बालिकाओं और महिलाओं को विद्यालय, कार्यस्थल और अन्य जरूरी स्थानों तक सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक परिवहन मिल सकेगा।

इस योजना के तहत शुरुआत में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को 1000 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए

- अयोध्या समेत 5 जिलों में हुई शुरुआत, लखनऊ और प्रयागराज समेत 8 जिलों में भी जल्द मिलेगी सुविधा
- समूह की महिलाओं को शुरुआत में 1000 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जाएंगे, इसके बाद पूरे प्रदेश में होगा विस्तार

जा रहे हैं। अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, कौशांबी और झांसी में इस सुविधा की शुरुआत कर दी गई है, जबकि लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र, देवरिया, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में इसे जल्द शुरू किया जाएगा। योगी सरकार की यह पहल इसलिए भी खास है, क्योंकि इसका सीधा रिश्ता महिला सुरक्षा से जुड़ा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं के लिए अब महिला चालकों द्वारा संचालित ई-रिक्शा सेवा बेहतर समाधान बनकर उभर रही है। महिला सुरक्षा, सम्मानजनक परिवहन और स्वरोजगार इन तीनों मोर्चों पर एक साथ असर डालने वाली यह पहल उत्तर प्रदेश को नई पहचान दे रही है।

महिला सुरक्षा में यूपी बन रहा मॉडल स्टेट, 'सेफ मोबिलिटी' से बदल रही गांवों की तस्वीर

गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे

'सेफ मोबिलिटी' का असर केवल सड़क तक सीमित नहीं है। इससे बेटियों की स्कूल तक पहुंच आसान होगी, कामकाजी महिलाओं का सफर सुरक्षित बनेगा, गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल बनेंगी।

योजना से जुड़ी महिलाएं तीन लाख रुपये से अधिक कमा रहीं

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के तकनीकी सहयोग से चल रहे इस कार्यक्रम ने अब तक प्रभावी परिणाम दिए हैं। पांच जनपदों में 119 महिलाओं को ई-रिक्शा देकर उद्यमी बनाया जा चुका है। वहीं, 629 महिलाओं को संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है और 244 महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराया गया है। इस पहल से जुड़ी महिलाएं अब सिर्फ वाहन ही नहीं चला रहीं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक धुरी भी बन रहीं हैं। योजना से जुड़ी महिलाओं की औसत वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक पहुंचने की बात इस मॉडल की सफलता को और मजबूत बनाती है।

बिना कोटा सिस्टम के, जहां ज्यादा जरूरत वहां ज्यादा सहायता की गई प्रदान

मंडलों और जनपदों में जरूरतमंदों तक सीधे पहुंची आर्थिक मदद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संवेदनशील और जवाबदेह शासन का एक मजबूत उदाहरण सामने आया है, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के लिए एक बड़े सहारे के रूप में स्थापित हुआ है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस कोष के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक) में लगभग 860 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जो विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों के जरिए 50 हजार से अधिक लाभार्थियों तक पहुंची है। यह आंकड़ा न केवल सहायता के व्यापक दायरे को दर्शाता है, बल्कि सरकार के मानवीय पक्ष और उसकी प्राथमिकताओं को भी

- योगी सरकार का मानवीय चेहरा विवेकाधीन कोष से जरूरतमंदों तक पहुंची लगभग 860 करोड़ की आर्थिक सहायता
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 50 हजार से अधिक लाभार्थियों को मिली आर्थिक सहायता
- बिना भेदभाव हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर दल के अनुरोधों पर समान संवेदनशीलता से हुई कार्रवाई

स्पष्ट करता है। इस पूरी प्रक्रिया की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि सहायता वितरण में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया। चाहे सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधि हों या विपक्ष के, शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हो या आकस्मिक संकट से जूझ रहा परिवार, हर जरूरतमंद तक समान संवेदनशीलता के साथ मदद पहुंचाई गई। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण के साथ अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाना है। विवेकाधीन कोष के अंतर्गत 50,000 जैसी छोटी सहायता से लेकर कई मामलों में 3 करोड़ से अधिक की बड़ी स्वीकृतियां प्रदान की गईं हैं। यह दिखाता है कि सरकार ने हर स्तर की जरूरत को प्राथमिकता दी है, चाहे वह व्यक्तिगत चिकित्सा सहायता हो, आकस्मिक दुर्घटना हो या अन्य आपात स्थिति।

अम्बेडकरनगर में कुपोषण उन्मूलन कार्यशाला

रणनीति

तीन माह में आकांक्षी ब्लॉकों को कुपोषण मुक्त करने का लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में "कुपोषण मुक्त अम्बेडकर नगर" विषयक कार्यशाला का आयोजन महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में किया गया। इस अवसर पर सभी 09 विकास खंडों में चिन्हित गंभीर (सैम) और मध्यम (मैम) कुपोषित बच्चों की स्थिति का विस्तृत विश्लेषण किया गया। कुल 1665 सैम और 5866 मैम बच्चों को सुपोषित श्रेणी में लाने के लिए ठोस रणनीति तय की गई।

सैम बच्चों को आईसीडीएस योजना के अंतर्गत दोगुना पोषाहार और अतिरिक्त पोषण पोटली का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। सभी बच्चों का समय पर टीकाकरण और आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। बुधवार को

आयोजित वीएचएनडी सत्र में बच्चों को स्वास्थ्य जांच और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराए जाने का भी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी, आशा, एएनएम, कोटेदार और ग्राम प्रधानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अभिभावकों को संतुलित आहार और पोषण के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा। जो ग्राम सर्वप्रथम कुपोषण मुक्त होगा, उसे अतिरिक्त विकासात्मक सुविधाएं प्रदान करने की घोषणा भी की गई। कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), जिला कार्यक्रम अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, आशा कार्यकर्ता, एएनएम, कोटेदार एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।इस कार्यशाला के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन को सामाजिक दायित्व के रूप में लिया गया और जनभागीदारी के माध्यम से 7500 से अधिक बच्चों को सुपोषित बनाने की ठोस योजना पर जोर दिया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने कुपोषित बच्चों को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रभावी रणनीति के साथ कार्य करने पर बल दिया। संबंधित परिवारों को पेंशन, जॉब कार्ड और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध लक्ष्य प्राप्ति का संकल्प लेने का आह्वान किया।

तीन माह में भियांव, भीटी और टांडा ब्लॉक कुपोषण मुक्त

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अगले तीन माह में आकांक्षी विकास खंड भियांव, भीटी और टांडा को कुपोषण मुक्त बनाया जाए। प्रथम चरण में 409 बच्चों को कुपोषण श्रेणी से बाहर लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए लगभग 200 अधिकारियों को दो-दो बच्चों को गोद लेने की जिम्मेदारी सौंपी गई। अधिकारियों को नियमित रूप से बच्चों के घर और आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण कर उनकी प्रगति की साप्ताहिक मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए।

गैस एजेंसी पर छापा, स्टॉक में भारी गड़बड़ी उजागर

जलालपुर गैस सर्विस के निरीक्षण में सामने आई अनियमितताएं

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर जिले में पूर्ति विभाग की टीम ने 3 अप्रैल 2026 को दोपहर 2:30 बजे जलालपुर स्थित गैस एजेंसी का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में पूर्ति निरीक्षक जलालपुर और बसखारी मौजूद रहे। जांच के दौरान एजेंसी के स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक भंडारण में गंभीर अंतर पाया गया।

जांच में सामने आया कि 1 मार्च 2026 से 2 अप्रैल 2026 तक एजेंसी के रिकॉर्ड में 14.2 किलोग्राम के 6773 घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आमद दर्ज थी, जबकि बिक्री 6277 सिलेंडर दिखाई गई। इस हिसाब से 2 अप्रैल को 496 सिलेंडर का बैलेंस होना चाहिए था।

लेकिन स्टॉक रजिस्टर में 3 अप्रैल के लिए 846 सिलेंडर का ओपनिंग बैलेंस दर्ज मिला। इसमें 342 सिलेंडर की अतिरिक्त आमद जोड़कर यह संख्या दिखाई गई, जो रिकॉर्ड के अनुसार सही नहीं पाई गई। निरीक्षण के दौरान कई श्रेणियों में सिलेंडरों की स्थिति संदिग्ध मिली। जांच रिपोर्ट में संकेत मिला कि स्टॉक रजिस्टर में कूट रचना कर हेरफेर की गई है। भरे सिलेंडरों की कमी और खाली सिलेंडरों की अधिकता से यह आशंका जताई गई कि एजेंसी स्तर पर एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी की गई। जिलाधिकारी के आदेश के आधार पर 4 अप्रैल 2026 को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई की गई। जलालपुर कोतवाली में एजेंसी के संचालक, मैनेजर और कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पूर्ति विभाग के अनुसार मामले की जांच जारी है। दस्तावेजों और स्टॉक की विस्तृत समीक्षा की जा रही है। दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फास्ट न्यूज

पॉक्सो आरोपी बोला- उसी लड़की से शादी करूंगा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पाक्सो एक्ट के आरोपी की सपरिवार गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। कोर्ट में आरोपी ने कहा कि मैं उस लड़की से शादी करने के लिए तैयार हूं। इसके बाद न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा तथा न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की खंडपीठ ने गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। 31 मार्च को जज ने आदेश दिया कि 6 हफ्ते में शादी करके दोनों हलफनामे के साथ अगली सुनवाई की तिथि पर हाजिर हों।

बीरखेत गांव में आग से 10 बीघा गेहूं फसल जली

अम्बेडकरनगर । जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के बीरखेत गांव में रविवार दोपहर बिजली के शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग सबसे पहले एक किसान के गेहूं के खेत में लगी। इसके बाद तेज हवाओं के कारण आग तेजी से आसपास के खेतों में फैल गई।इस घटना में करीब 10 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग से गांव के राजेंद्र, पूजन यादव और बटानू प्रजापति की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुईं। किसानों को इस हादसे से बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है।

जलालपुर में भाजपा का प्रशिक्षण महाअभियान शुरू

अम्बेडकरनगर। जलालपुर नगर मंडल के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा और रणनीति के बारे में विस्तार से बताया गया। तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने कहा कि पार्टी की विचारधारा राष्ट्रप्रथम और अंत्योदय पर आधारित है।

अशरफपुर किछौछा में लगे तीन आरओ वाटर कूलर

15वें वित्त आयोग योजना से पेयजल सुविधा मजबूत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा में 15वें वित्त आयोग योजना के तहत पेयजल सुविधा को मजबूत किया गया है। रविवार को तीन आरओ मशीन (वाटर कूलर) का अधिष्ठापन कार्य पूरा हो गया। इस परियोजना पर लगभग 15 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। नगर क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर आरओ मशीनें लगाई गई हैं। इनमें किछौछा मुख्य तिराहा, सरदार नगर और बसखारी थाना के पास के स्थान शामिल हैं। इन स्थानों पर लोगों की अधिक आवाजाही रहती है, इसलिए सुविधा का लाभ अधिक लोगों को मिलेगा।

नई आरओ मशीनों से स्थानीय लोगों को शुद्ध और ठंडा पेयजल उपलब्ध होगा। गर्मी के मौसम को देखते हुए यह व्यवस्था राहत देने वाली मानी जा रही है। इससे

राहगीरों और आसपास के निवासियों को सीधे लाभ मिलेगा।

परियोजना का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। गर्मी बढ़ने के साथ पेयजल की जरूरत भी बढ़ती है। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों पर आरओ वाटर कूलर की व्यवस्था से लोगों को सुविधा मिलेगी।

फर्जी लूट का खुलासा 10 घंटे में पुलिस ने सुलझाया मामला

सराफा कारोबारी ने खुद रची लूट की साजिश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । बसखारी थाना क्षेत्र के पटना मुबारकपुर के पास दिनदहाड़े हुई आभूषण लूट की घटना झूठी निकली। जांच में सामने आया कि सराफा कारोबारी रोहित शर्मा ने अपने साथी के साथ मिलकर करीब 10 लाख रुपये के आभूषण हड़पने के लिए लूट की कहानी बनाई थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई। एसओजी और बसखारी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 10 घंटे के भीतर पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और 73.24 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए।

रोहित शर्मा ने 4 अप्रैल को पुलिस को सूचना दी थी कि दो बाइक सवार बदमाशों ने तमंचा दिखाकर उससे

आभूषण लूट लिए। जांच में पाया गया कि घटना के करीब साढ़े तीन घंटे बाद सूचना दी गई। सीसीटीवी फुटेज में भी उसके बयान की पुष्टि नहीं हुई। इससे पुलिस को संदेह हुआ। जिस दुकान से आभूषण लिए गए थे, उस कारोबारी ने पुलिस को तहरीर देकर शक जताया कि रोहित आभूषण लेकर गया और अब लूट की झूठी कहानी बना रहा है। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी। पुलिस की कड़ाई से पूछताछ में रोहित ने सच्चाई बता दी। उसने बताया कि कर्ज में होने के कारण उसने अपने दोस्त साहित्य कुमार तिवारी के साथ मिलकर योजना बनाई। दोनों ने आभूषण को छिपा दिया और लूट की झूठी कहानी पुलिस को दी। पुलिस टीम ने अन्नापुर मोड़ के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 73.24 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए। बरामद सामान में हार, अंगूठियां, झुमके, चैन और अन्य गहने शामिल हैं।

मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 319(2), 303(2), 212 और 317(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

परशुराम जयंती की तैयारी तेज, जिला मुख्यालय पर होगा मुख्य आयोजन

ब्राह्मण महासभा की बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की जिला इकाई की बैठक रविवार को अकबरपुर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, शास्त्रीनगर में आयोजित हुई। बैठक में 19 अप्रैल को होने वाली परशुराम जयंती के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में तय किया गया कि इस वर्ष परशुराम जयंती का मुख्य कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष यह आयोजन बसखारी में हुआ था। पदाधिकारियों ने कहा कि इस बार भी कार्यक्रम को व्यवस्थित और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

बैठक में शोभायात्रा के मार्ग को भी तय किया गया। शोभायात्रा तहसील तिराहे से शुरू होगी। इसके बाद शहजादपुर बाजार का भ्रमण करेगी और फिर वापस तहसील तिराहे पर समाप्त होगी। कार्यक्रम में

रथ और डीजे का उपयोग करने का भी निर्णय लिया गया। जिला अध्यक्ष राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आयोजन को लेकर व्यापक तैयारी की जाएगी। सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। कार्यक्रम को पूर्व वर्षों की तरह व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने पर सहमति बनी। बैठक में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। इनमें विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष हृदय मणि मिश्रा, परशुराम सेवा के जिला अध्यक्ष अनिल शुक्ला, जिला संरक्षक आत्माराम त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद दुबे, वगीस मिश्रा, अनिल पांडेय, नरसिंह भगवान उपाध्याय शामिल रहे।

व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने, व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप बनाए रखने के निर्देश

जिला अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट का लिया गया जायजा

निरीक्षण

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ने शनिवार को जिला अस्पताल स्थित कम्प्रिहेंसिव मेडिकल, सर्जिकल एंड एक्सीडेंटल इमरजेंसी यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप बनाए रखने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी से डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों और अन्य कर्मचारियों की तैनाती की जानकारी ली गई। ड्यूटी चार्ट को

जिलाधिकारी ने मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं, आपातकालीन सुविधाओं और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी सेवाएं सुचारु रूप से संचालित होनी चाहिए।

स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए, ताकि मरीजों को जानकारी मिल सके। निरीक्षण के दौरान स्पष्ट किया गया कि साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सा सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य को त्वरित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।

आईसीयू, ओटी और वार्ड का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आईसीयू कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, डॉक्टर कक्ष और सामान्य वार्ड का निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई और शौचालय व्यवस्था को भी देखा गया। उन्होंने कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित भव्य समारोह हुआ आयोजित

51 महिलाओं को 'शक्ति वंदन सम्मान'

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर स्थित डॉ. अम्बेडकर सामुदायिक हाल में शक्ति वंदन सम्मान समारोह–2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी और आरंभ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इसमें महिला सशक्तिकरण और सामाजिक योगदान को केंद्र में रखा गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। एसडीएम विशाल सारस्वत, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रतिभा यादव और रेडक्रॉस सोसाइटी की चेयरमैन संध्या सिंह ने कार्यक्रम की शुरुआत की। एसडीएम विशाल सारस्वत ने कहा कि शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण समाज के विकास के लिए जरूरी हैं। प्रतिभा यादव ने कहा कि महिलाओं के मजबूत होने से ही

समाज मजबूत बनता है। कार्यक्रम में समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगदान देने वाली 51 महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित महिलाओं में 22 महिला पुलिस कर्मी और 29 अन्य क्षेत्रों की महिलाएं शामिल रहीं। सभी को अंगवस्त्र, प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी बाल प्रतिभा सम्मान दिया गया। इससे छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह में लखनऊ और अयोध्या से भी महिलाएं शामिल हुईं। कई प्रमुख महिलाओं को उनके कार्यों के लिए सम्मान मिला। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका तिवारी ने किया।कार्यक्रम के माध्यम से महिला सम्मान, अधिकार और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया।अतिथियों ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

अम्बेडकरनगर के अकबरपुर में रेलवे की लापरवाही से बढ़ा खतरा

मकान और बिजली लाइन पर मंडराया संकट

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर क्षेत्र में तेज आंधी के दौरान रेलवे विभाग की लापरवाही सामने आई। अकबरपुर रेलवे स्टेशन से जौहर डी मार्ग पर एक जंगली पेड़ गिर गया। पेड़ पास के मकान पर टिक गया। इसके नीचे से बिजली के केबल गुजर रहे हैं, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब एक महीने पहले रेलवे विभाग ने बाउंड्री वॉल के लिए सड़क किनारे गड्ढे खोदे थे। ये गड्ढे अब तक खुले पड़े हैं। इससे राहगीरों और आसपास के लोगों को लगातार दिक्कत हो रही है। गड्ढे खोदने के बाद निकली मिट्टी को सड़क पर ही छोड़ दिया गया। इससे रास्ता संकरा हो गया है। यह इलाका रिहायशी है, इसलिए लोगों को रोजाना आवागमन में परेशानी हो रही है।बारिश होने पर स्थिति और खराब हो सकती है। मिट्टी कीचड़ में

बदलने से फिसलन और दुर्घटना का खतरा बढ़ जाएगा।

हालिया आंधी में गड्ढे के किनारे खड़ा पेड़ गिरकर मकान पर जा टिका। इससे स्पष्ट हुआ कि क्षेत्र में सुरक्षा के जरूरी इंतजाम नहीं किए गए थे।स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते गड्ढों को भरा जाता और आसपास की सफाई होती तो ऐसी स्थिति नहीं बनती।

घटना के बाद लोगों में नाराजगी है। सवाल उठ रहा है कि यदि कोई बड़ा हादसा होता है तो जिम्मेदारी किसकी होगी।लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गड्ढों को जल्द भरा जाए और सड़क से मिट्टी हटाई जाए, ताकि खतरे को टाला जा सके।

आयोजन: 2027 चुनाव को लेकर बड़ा दावा, आयोजित हुआ मंडलीय समता सम्मेलन

समता सम्मेलन में केंद्र सरकार पर निशाना

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अकबरपुर स्थित एक होटल में रविवार को अपना दल कमेरावादी की ओर से मंडलीय समता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पटेल सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। सम्मेलन में संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के बाद डॉ. पल्लवी पटेल ने मीडिया से बातचीत की और विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरा। डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि यूजीसी 2026 पर रोक लगने के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी थी कि आयोग की व्यवस्था मजबूत बनाई जाए। उनके

अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में भी सरकारी पक्ष इस विनियम का प्रभावी तरीके से बचाव नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि नीतियों में कमजोरी के कारण शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इस मुद्दे पर सरकार को जवाबदेह होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह सरकार की नीतियों और कार्यशैली को जनता के सामने रखे। जब भी सरकार किसी मुद्दे पर घिरती है, तो वह नए मुद्दे लाकर जनता और राजनीतिक दलों का ध्यान भटकाने का प्रयास करती है।

सम्मेलन में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि वर्ष 2027 का चुनाव प्रदेश की सत्ता में बड़ा बदलाव लाने वाला होगा। उत्तर प्रदेश की राजनीति का प्रभाव पूरे देश पर पड़ता है, इसलिए यह चुनाव महत्वपूर्ण रहेगा।उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी और प्रदेश में मजबूत विकल्प देने का प्रयास करेगी।

महंगाई और आर्थिक मुद्दों पर हमला

सम्मेलन के बाद बातचीत में डॉ. पल्लवी पटेल ने महंगाई और आर्थिक नीतियों को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि देश की जनता को एलपीजी, डीजल और पेट्रोल के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है।

उनका कहना था कि गलत आर्थिक और विदेश नीतियों का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण जनता को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

कांग्रेस ने मनाई बाबू जगजीवन राम जयंती

संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती मनाई गई। इसके साथ संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रम और चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई।

जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि बाबू जगजीवन राम के आदर्श समाज में समानता और न्याय की प्रेरणा देते हैं। संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया गया।

उन्होंने बताया कि 8 अप्रैल को होने वाला कार्यक्रम महत्वपूर्ण रहेगा और इसमें अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

पूर्व जिला अध्यक्ष रामकुमार पाल ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए

जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं की एकजुटता से आने वाले चुनावों में पार्टी को लाभ मिलेगा।

जिला उपाध्यक्ष द्विजेंद्र नारायण शुक्ला, उदयभान मिश्र और रेहान जैदी ने कहा कि युवाओं की भागीदारी बढ़ाना प्राथमिकता है। इससे संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास जनसेवा और संघर्ष से जुड़ा रहा है। पुराने और नए कार्यकर्ताओं के सहयोग से संगठन को और मजबूत किया जाएगा।

सम्पादकीय

स्टालिन का हिंदी विरोध, चुनाव से पहले फिर छेड़ा राग

इस पर आश्चर्य नहीं कि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव निकट आते ही मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध का पुराना और विभाजनकारी राग फिर छेड़ दिया। उन्होंने अपना यह पुराना आरोप फिर मढ़ा कि केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति के तहत तमिलनाडु में हिंदी थोपना चाहती है। यह साफ है कि उन्होंने चुनाव के चलते लोगों की भावनाएं भड़काने के लिए हिंदी थोपने के आरोप को जानबूझकर उछाला है।

इसे भांपते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहकर उन्हें उचित ही बेनकाब किया कि वे हिंदी थोपने का नैरेटिव अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए कर रहे हैं और जानबूझकर त्रिभाषा फार्मूले की गलत व्याख्या कर रहे हैं। स्टालिन सच में ऐसा ही कर रहे हैं, क्योंकि नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फार्मूले में तो हिंदी को अनिवार्य किया ही नहीं गया। तमिलनाडु में तमिल अस्मिता के नाम पर हिंदी विरोध की जड़ें बहुत पुरानी हैं। चूंकि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से इन जड़ों को जानबूझकर सींचा गया, इसलिए एक समय वहां हिंदी विरोध के नाम पर हिंसा भी हुई।

हालांकि समय के साथ तमिलनाडु के लोगों में हिंदी के प्रति विरोध का भाव तिरोहित हो गया है, पर कुछ दल और विशेष रूप से डीएमके उसे संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के चलते रह-रहकर उभारती रहती है। अब यह तमाशा चलने वाला नहीं है, क्योंकि तमिलनाडु के साथ अन्य अहिंदी भाषी राज्यों की जनता हिंदी की सामर्थ्य एवं उसकी उपयोगिता से भली तरह परिचित है और वह उसे स्वेच्छा से अपना भी रही है। इसका कारण हिंदी का देश की सबसे प्रभावी संपर्क भाषा के रूप में विकसित होना है।

हिंदी वह धागा है, जिसमें सभी भारतीय भाषाएं गुंथी हुई हैं। हिंदी का किसी भाषा से बैर-विरोध नहीं। वह सब भारतीय भाषाओं की सखी-सहयोगी है। वह राष्ट्रीय एकता की वाहक भी है। देश के हर हिस्से और यहां तक कि तमिलनाडु के लोग भी हिंदी समझते हैं और उसकी महत्ता भी जान रहे हैं। स्टालिन वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण अपने लोगों को कितना भी बरगलाएं, तथ्य यह है कि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में हिंदी भाषी कामगार रहते हैं।

उनके तमाम नियोक्ता उनसे हिंदी में संवाद करने की कोशिश करते हैं। कुछ ने उनसे वार्तालाप के लिए हिंदी बोलने वाले जानकार भी रख रखे हैं। स्टालिन का हिंदी विरोध इसलिए परवान नहीं चढ़ने वाला, क्योंकि तमिलनाडु की जनता इससे अवगत है कि केंद्र सरकार किस तरह तमिल भाषा को बढ़ावा देने वाले तमिल संगमम जैसे आयोजन कर रही है। यह देखना दुखद है कि जब केंद्र सरकार भाषाई एकता के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, तब डीएमके नेता हिंदी के प्रति वैमनस्य प्रदर्शित कर संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ काम कर रहे हैं।

हमारी परंपरा है वंदे मातरम

66

अंग्रेजों की गोली से प्राण त्यागने वाली मातंगिनी हाजरा की जिह्वा पर आखिरी शब्द वन्दे मातरम् ही थे। 1929 में प्रकाशित काकोरी के शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल की प्रतिबन्धित पुस्तक 'क्रान्ति गीतांजलि' में पहला गीत मातृ-वन्दना वन्दे मातरम् ही था।

हम सदियों से धरती को माता के रूप में प्रतिष्ठित करते है। वन्दे मातरम् की प्रतिध्वनि वेदों में सुनाई देती है 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' (अथर्ववेद) अर्थात भूमि मेरी माता हैं और मैं उसका पुत्र हूँ। इसी प्रकार आदि ग्रन्थ वाल्मीकि रामायण के अनुसार श्रीराम का कथन है-

अपि स्वर्णमयी लङ्का न मे लक्ष्मण रोचते।
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।।

अर्थात हे लक्ष्मण! यद्यपि यह लंका सोने की बनी है, फिर भी इसमें मेरी कोई रुचि नहीं है (क्योंकि) जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान हैं।

इसी श्रृंखला में 1882 में श्री बंकिमचन्द्र चटर्जी ने 'वन्दे मातरम्' गीत की रचना की। स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरक संस्कृत और बांग्ला में रचित इस गीत ने भारत के जन-मन को जागृत करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जन-जन में चेतना उत्पन्न करने वाले इस गीत की रचना विशेष परिस्थितियों में हुई क्योंकि उस काल में ब्रिटिश शासकों ने हर सरकारी समारोह में 'गॉड सेव द क्वीन' गीत गाना अनिवार्य कर दिया था। अंग्रेजों के इस आदेश से महान देशभक्त और अंग्रेज प्रशसन में उच्च अधिकारी बंकिमचन्द्र चटर्जी बहुत आहत थे। उन्होंने महारानी का प्रशस्ति गान करने की बजाय माँ भारती की वंदना के रूप में इस गीत की रचना की। 1882 में जब बंकिम बाबू ने आनन्द मठ उपन्यास की रचना की तो उन्होंने इस गीत का उस में स्थान दिया। यह उपन्यास अंग्रेजी शासन में जमींदारों द्वारा किए जा रहे शोषण व अकाल में त्रस्त जनता को जागृत करने के लिए हुए संन्यासी विद्रोह की पृष्ठभूमि पर आधारित है। उपन्यास में यह गीत भवानन्द नामक विद्रोही संन्यासी 'वन्दे मातरम्' गाता है। आरंभ में इसमें केवल दो संस्कृत के ही पद थे। नवम्बर, 1875 में बंकिम बाबू ने सियालदह से नैहाटी की रेल यात्रा के दौरान बाद वाले पदों की रचना की जिनमें मातृभूमि की दुर्गा के रूप में स्तुति की गई है। इस गीत ने भारत माता के सगुण साकार रूप को जन-जन के हृदय में प्रतिष्ठित किया और 'भारत माता की जय' के उदघोष का प्रचलन तेजी से विस्तारित हुआ।

इस गीत को व्यापक समर्थन मिला इसीलिए 1886 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन के मंच से वन्दे मातरम् गाया गया। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में इसे गुरुदेव रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने गाया। लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की वन्दे मातरम् के प्रति इतनी श्रद्धा थी कि उन्होंने इसे छत्रपति शिवाजी महाराज के स्मारक के तोरण पर उत्कीर्ण करवाया। 6 अगस्त 1905 को बंग भंग के विरोध में टाउन हॉल की सभा में हजारों देशभक्तों ने इस गीत को एक साथ गाकर अंग्रेज सरकार को अपना निर्णय बदलने के लिए बाध्य किया। लगभग हर कांग्रेस-अधिवेशन के अतिरिक्त स्वतंत्रता आन्दोलन में भी 'वन्दे मातरम्' गीत प्रस्तुति के अनेक उदाहरण मिलते हैं। लाला लाजपत राय ने लाहौर से प्रकाशित अपने पत्र का नाम वन्दे मातरम् रखा।

देश ही नहीं, विदेशों में भी इस गीत की गूंज सुनाई दी। 1907 में बर्लिन (जर्मनी) में मैडम भीकाजी कामा द्वारा फहराये तिरंगे पर वंदे मातरम् अंकित था। 17 अगस्त 1909 को इंग्लैंड में फांसी पर चढ़ने से पहले महान क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा के मुख से निकले अंतिम शब्द 'वंदे मातरम्' थे। अक्टूबर 1912 को केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका पहुंचे गोपाल कृष्ण गोखले का स्वागत 'वंदे मातरम्' के नारे लगाते एक बड़े जुलूस के साथ किया गया। अंग्रेज सरकार इस गीत से बुरी तरह चिड़ी हुई थी। सरकार द्वारा वंदे मातरम् गाने पर दंडित करने के बावजूद जनमानस में इसके प्रति श्रद्धा और उत्साह कम होने की बजाय लगातार बढ़ता गया। इसीलिए 15 अगस्त, 1947 को जब माँ भारती अंग्रेजी की बेडियों से मुक्त हुई, आकाशवाणी से प्रसिद्ध गायक पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने 'वंदे मातरम्' प्रस्तुत कर जन उत्साह की अभिव्यक्ति दी। 'वंदेमातरम्' गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर 8 अगस्त 2025 को संसद में वन्दे मातरम् पर दस घंटे की एक विशेष चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त 7 नवंबर, 2025 को देश में वर्षभर चलने वाले कार्यक्रमों का श्रीगणेश हुआ। इन कार्यक्रमों के माध्यम से देश की युवा पीढ़ी को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की कालजयी रचना और इसके प्रभावों के साथ-साथ स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पीढ़ियों को प्रेरित करने में इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया जा रहा है। यह विशेष उल्लेखनीय है कि वर्ष 2002 में बी.बी.सी. द्वारा कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार 'वंदे मातरम्' विश्व का दूसरा सर्वाधिक लोकप्रिय गीत है। यह सर्वविदित है कि हमारी जननी तो मात्र 9 माह अपने गर्भ में रखती है परंतु जन्मभूमि हमें आजीवन अपनी गोद में स्थान देती है। अतः हमारी धार्मिक आस्था कुछ भी हो, वंदेमातरम् के गायन पर किसी सच्चे भारतीय को आपत्ति हो ही नहीं सकती। क्या कोई ऐसा भी विवेकशील हो सकता है जो अपनी मातृभूमि को सुजलाम सुजलाम मलयज शीतलाम (जल से भरपूर, फलों से समृद्ध, मलयज (चंदन) की हवाओं से शीतल, फसलों से हरी-भरी) न चाहता हो? वंदे मातरम की साद्य सदी के अवसर पर वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे है ताकि देश के बच्चे बच्चे में अपनी मातृभूमि के प्रति विशेष श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव स्थाई रूप से स्थापित हो सके इसलिए आओ हम भी मातृभूमि को सम्मान देने वाले इस गीत को कण्ठस्थ करने और कराने का संकल्प लें। वंदे मातरम्!

डा. विनोद बब्बर

स्वतंत्रता के पश्चात अपना संविधान बनाने के लिए बनी संविधान सभा की पहली बैठक का प्रारंभ 'वंदे मातरम' के साथ और समापन 'जन गण मन' के साथ हुआ। संविधान सभा ने अपने सभापति जो बाद में भारत के प्रथम राष्ट्रपति भी बने, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा 24 जनवरी 1950 को प्रस्तुत प्रस्ताव पर 'वन्दे मातरम' को राष्ट्रगीत के रूप स्वीकार किया गया। वन्दे-मातरम् हमारे संविधान की मूल प्रति में प्रतिष्ठित है।

अमेरिका का एफ-35...

राजेश श्रीवास्तव

ईरान ने जमींदोज कर दिया अमेरिका का दंभ

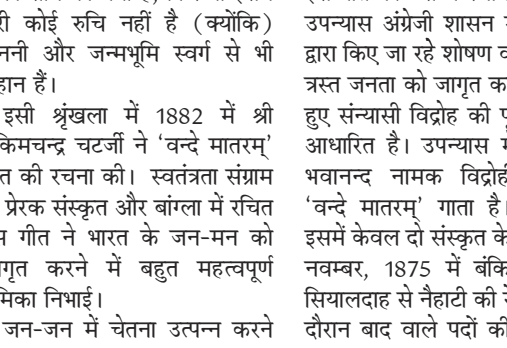

करीब 36 दिन पहले जब अमेरिका-इजरायल ने मिलकर ईरान जैसे देश पर एक साथ हमला बोला था और उनके सुप्रीम लीडर खामनेई को परिवार समेत मौत के घाट उतार दिया था तब लग रहा था कि अमेरिका और इजरायल का सामना करने का माद्दा ईरान में नहीं हैं लेकिन अमेरिका तक पहुंच न हो पाने के चलते जिस तरह ईरान ने होर्मुज को अपना हथियार बनाते हुए अपनी मिसाइल शक्तियों के सहारे अमेरिका और इजरायल जैसे दोनों शक्तिशाली देशों को इस युद्ध में कई बार घुटनों पर लाकर दिखा दिया, उससे साफ है कि यह युद्ध भले ही अमेरिका ने शुरू किया हो पर यह युद्ध खत्म करने की क्षमता ईरान में ही दिख रही है। एक तरफ दृढ़ इरादों वाला ईरान है तो दूसरी तरफ बार-बार यूटर्न लेने वाला अमेरिका का ट्रंप है जिसकी न तो बात का वजन है और न काम का।

1० दिन का युद्ध विराम का ऐलान करने वाला ट्रंप एक दिन भी हमले करने से नहीं चूका। न केवल अमेरिका बल्कि उसका साथी इजरायल भी इस हरकत में शामिल रहा। अब कह रहा है कि 48 घंटे बचे हैं उसके बाद बड़े हमले करूंगा तो आखिर ट्रंप ने कब बड़े हमले नहीं किये लेकिन वह बार-बार भूल जाता है कि ईरान वेनेजुएला नहीं है कि वह झुक जाये। ईरान के पास शक्तिशाली आईआरजीसी है जो अंतिम सांस तक अमेरिका को जवाब देगा। अमेरिका को लगता था कि उसके पास दुनिया की सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों की श्रृंखला है। रविवार को ईरान ने उसके सबसे उन्नत छह लड़ाकू विमानों में से एक एफ-15 जिसकी कीमत करीब 115 मिलियन डॉलर है, को मार गिराया । दूसरी तरफ दो एफ-35 को भी ढेर कर दिया। यह अमेरिका के लिए सबसे बड़ा झटका है। अमेरिका अपने इस विमान की तारीफ करता रहा है लेकिन ईरान युद्ध ने इस जेट की प्रतिष्ठा खराब कर दी है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या दुनिया का सबसे एडवांस यह जेट ईरान में फ़ेल हो गया है।

अमेरिका का एफ-35 लाइटनिंग पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ जेट है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन के रडार की नजर में नहीं आए। यह सुपरसोनिक गति से उड़ते हुए दूसरे विमानों और जमीनी सेनाओं के साथ लाइव डाटा साझा कर सकता है। ऐसे में कागज पर यह विमान अजेय लगता है लेकिन ईरान में 28 फरवरी से चल रही लड़ाई की कहानी अलग रही है। जेट के वर्जन के आधार पर एक एफ-35 विमान की कीमत 85 मिलियन डॉलर से लेकर 115 मिलियन डॉलर होती है। यह अब तक बनाए गए सबसे महंगे युद्धक विमानों में से एक है। ऐसे विमान का युद्ध में गिरना या क्षतिग्रस्त हो जाना इसकी सैन्य प्रतिष्ठा के साथ-साथ आर्थिक तौर पर भी एक बड़ा झटका साबित होता है। विमानों की स्टेल्थ यानी छिपकर उड़ने की क्षमता सवालों में आ गई है। साफ है स्टेल्थ विमानों को उनके हीट सिग्नेचर के जरिए पकड़ा जा सकता है।

ईरान ने इन विमानों के खिलाफ 358 लोइटरिंग म्यूनिशन या कम दूरी की 'सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल' का इस्तेमाल किया हो सकता है। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी के बाद से ईरान पर भीषण हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया दिनों में बार-बार ये दावा किया है कि उनकी फौज ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह खत्म कर दिया है। इन दावों के बीच ईरान में अमरिकी लड़ाकू विमानों का गिरना और बड़ा झटका है। ईरान में एफ-35 विमानों का मार गिराया जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या दुनिया का सबसे बेहतरीन जेट भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। ईरान युद्ध के मैदान में जो दिखा है, उसने ना सिर्फ इस विमान की ताकत बल्कि डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी विशेषज्ञों की ओर से किए जाने वाले दावों को भी संदेह के घेरे में ला दिया है। रक्षा विशेषज्ञ संदीप उन्नीथन का कहना है कि विमानों की स्टेल्थ (छिपकर उड़ने की क्षमता) को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। ईरान युद्ध से साफ होता है कि विमानों को उनके 'हीट सिग्नेचर' (गर्मी के निशान) के जरिए पकड़ा जा सकता है। हालांकि यह साफ नहीं है कि किस मिसाइल और तरीके से ईरान ने ये सफल हमले किए हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, ईरान ने अमेरिका के एक पायलट जो अभी लापता है, उसकी मां को एक संदेश भेजा है कि उनका बेटा ट्रंप राज में सुरक्षित नहीं है। अपने पायलट को बचाने के लिए ईरान से 48 घंटे के लिए युद्ध रोकने की अपील की है लेकिन ईरान रुकने को तैयार नहीं है।

एफ-35...

राजेश श्रीवास्तव

ईरान ने जमींदोज कर दिया अमेरिका का दंभ

करीब 36 दिन पहले जब अमेरिका-इजरायल ने मिलकर ईरान जैसे देश पर एक साथ हमला बोला था और उनके सुप्रीम लीडर खामनेई को परिवार समेत मौत के घाट उतार दिया था तब लग रहा था कि अमेरिका और इजरायल का सामना करने का माद्दा ईरान में नहीं हैं लेकिन अमेरिका तक पहुंच न हो पाने के चलते जिस तरह ईरान ने होर्मुज को अपना हथियार बनाते हुए अपनी मिसाइल शक्तियों के सहारे अमेरिका और इजरायल जैसे दोनों शक्तिशाली देशों को इस युद्ध में कई बार घुटनों पर लाकर दिखा दिया, उससे साफ है कि यह युद्ध भले ही अमेरिका ने शुरू किया हो पर यह युद्ध खत्म करने की क्षमता ईरान में ही दिख रही है। एक तरफ दृढ़ इरादों वाला ईरान है तो दूसरी तरफ बार-बार यूटर्न लेने वाला अमेरिका का ट्रंप है जिसकी न तो बात का वजन है और न काम का।

1० दिन का युद्ध विराम का ऐलान करने वाला ट्रंप एक दिन भी हमले करने से नहीं चूका। न केवल अमेरिका बल्कि उसका साथी इजरायल भी इस हरकत में शामिल रहा। अब कह रहा है कि 48 घंटे बचे हैं उसके बाद बड़े हमले करूंगा तो आखिर ट्रंप ने कब बड़े हमले नहीं किये लेकिन वह बार-बार भूल जाता है कि ईरान वेनेजुएला नहीं है कि वह झुक जाये। ईरान के पास शक्तिशाली आईआरजीसी है जो अंतिम सांस तक अमेरिका को जवाब देगा। अमेरिका को लगता था कि उसके पास दुनिया की सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों की श्रृंखला है। रविवार को ईरान ने उसके सबसे उन्नत छह लड़ाकू विमानों में से एक एफ-15 जिसकी कीमत करीब 115 मिलियन डॉलर है, को मार गिराया । दूसरी तरफ दो एफ-35 को भी ढेर कर दिया। यह अमेरिका के लिए सबसे बड़ा झटका है। अमेरिका अपने इस विमान की तारीफ करता रहा है लेकिन ईरान युद्ध ने इस जेट की प्रतिष्ठा खराब कर दी है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या दुनिया का सबसे एडवांस यह जेट ईरान में फ़ेल हो गया है।

अमेरिका का एफ-35 लाइटनिंग पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ जेट है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन के रडार की नजर में नहीं आए। यह सुपरसोनिक गति से उड़ते हुए दूसरे विमानों और जमीनी सेनाओं के साथ लाइव डाटा साझा कर सकता है। ऐसे में कागज पर यह विमान अजेय लगता है लेकिन ईरान युद्ध से साफ होता है कि विमानों को उनके 'हीट सिग्नेचर' (गर्मी के निशान) के जरिए पकड़ा जा सकता है। हालांकि यह साफ नहीं है कि किस मिसाइल और तरीके से ईरान ने ये सफल हमले किए हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, ईरान ने अमेरिका के एक पायलट जो अभी लापता है, उसकी मां को एक संदेश भेजा है कि उनका बेटा ट्रंप राज में सुरक्षित नहीं है। अपने पायलट को बचाने के लिए ईरान से 48 घंटे के लिए युद्ध रोकने की अपील की है लेकिन ईरान रुकने को तैयार नहीं है।

युद्ध के तूफान में बिजनेस की कश्ती

आज का वैश्विक व्यापार परिदृश्य ऐसी भू-राजनीतिक अनिश्चितता से जूझ रहा है, जिसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही किसी ने की हो। युद्ध, क्षेत्रीय तनाव और बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरण केवल खबरों तक सीमित नहीं हैं। ये सीधे तौर पर हमारे व्यापार की लागत, समय सीमा और निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं। आज के दौर में जोखिम की परिभाषा बदल चुकी है। अब खतरा किसी एक बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जगह होने वाली हलचल पूरी दुनिया में 'रिपल इफेक्ट' पैदा करती है।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। व्यापारिक मार्ग बदलने और देरी होने से लागत लगातार बढ़ रही है। साथ ही, साइबर खतरों ने भी नया और जटिल रूप ले लिया है। आज माहौल इतना पेचीदा हो गया है कि भविष्य का सटीक अनुमान लगाना लगभग नामुमकिन है। ऐसी स्थिति में व्यवसाय अब केवल प्रतिक्रिया-वादी होकर काम नहीं चला सकते। अब समय है ऐसा सोच विकसित करने का, जो जोखिमों को पहले से भांप सके। किसी भी बिजनेस के लिए सबसे बड़ा खतरा एक ही स्रोत पर निर्भर रहना है। चाहे वह सप्लायर हो, कोई खास देश हो या कोई लाजिस्टिक रूट। अगर वहां कोई रुकावट आती है, तो पूरा बिजनेस ठप हो सकता है। इसलिए, परिचालन के विविध माडल बनाना अब अनिवार्य हो गया है। इसके साथ ही, कंटिंजेंसी प्लानिंग को सिर्फ कागजों तक सीमित न रखकर उसे धरातल पर उतारना होगा। व्यवसायों को अलग-अलग परिदृश्यों के लिए खुद को तैयार रखना चाहिए ताकि संकट आने पर तुरंत कदम उठाए जा सकें। जहां परिचालन रणनीतियां आधार तैयार करती हैं, वहीं बीमा व्यापार को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाता है।

जीशा जॉर्ज

जरा हटके

यह घटना यह...

डॉ. शैलेश शुक्ला

डीपफेक राजनीति : जब नेता बोलते हुए दिखते तो हैं पर वास्तव में बोलते नहीं

कल्पना कीजिए कि आप सुबह उठते हैं और अपने फोन पर एक वीडियो देखते हैं जिसमें आपके देश का कोई वरिष्ठ नेता कुछ ऐसा कह रहा है जो उसने वास्तव में कभी कहा ही नहीं। कल्पना कीजिए कि इस वीडियो को देखने के कुछ घंटों के भीतर लाखों लोगों तक पहुँच जाता है, उग्र प्रतिक्रियाएँ होने लगती हैं और तब तक सच्चाई सामने आती है जब तक सामाजिक नुकसान हो चुका होता है। यह कल्पना नहीं है — यह डीपफेक तकनीक का वह खतरनाक सच है जो दुनिया भर की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए एक गंभीर संकट बन चुका है। डीपफेक शब्द 'डीप लर्निंग' और 'फेक' का संयोजन है। यह एक ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित तकनीक है जो किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज़ और हाव-भाव की नकल इतनी सटीकता से कर सकती है कि साधारण दर्शक असली और नकली में फर्क नहीं कर सकता। यह तकनीक 'जनरेटिव एडवर्सेरियल नेटवर्क' (जीएएन) पर आधारित है, जिसमें दो कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क एक-दूसरे के विरुद्ध काम करते हुए यथार्थवादी सामग्री उत्पन्न करते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले के डिजिटल फोरेंसिक विशेषज्ञ प्रोफेसर हेनी फरीद के अनुसार, जैसे-जैसे डीपफेक बनाने की तकनीक आगे बढ़ रही है, मानव आँख के लिए नकली और असली की पहचान करना कठिन होता जा रहा है।

राजनीतिक डीपफेक के सबसे उल्लेखनीय प्रमाणित उदाहरणों में मार्च 2022 का यूक्रेन युद्ध का वह प्रसंग शामिल है। 16 मार्च 2022 को एक डीपफेक वीडियो

प्रसारित किया गया जिसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की को अपनी सेना को आत्मसमर्पण करने का आदेश देते हुए दिखाया गया था। यूक्रेनी समाचार चैनल 'युक्रेन 24' के 'टिकर' (समाचार पट्टी) को हैक करके यही संदेश प्रसारित किया गया। फेसबुक और यूट्यूब ने तत्काल इस वीडियो को हटा दिया। ज़ेलेंस्की ने तुरंत एक लाइव वीडियो जारी करके इसका खंडन किया। यह घटना यह दिखाने के लिए पर्याप्त थी कि डीपफेक का उपयोग सक्रिय युद्ध में भी राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक हथियार के रूप में किया जा सकता है। डीपफेक के राजनीतिक दुरुपयोग के कई परतें हैं। पहली परत है प्रत्यक्ष झूठ — किसी नेता को वह बोलते हुए दिखाना जो उन्होंने कभी नहीं कहा। दूसरी परत अधिक सूक्ष्म है — वास्तविक वीडियो को संदर्भ से बाहर काटकर या उसे भ्रामक बनाना जिसे 'शैलो फेक' कहते हैं।

शिष्य पर गुरु का विश्वास

वास्तविक बड़प्पन की पहली निशानी विनम्र मन है। वह विनम्र मन के साथ सदा ही प्रसन्नता व मिलनसारिता जैसे गुणों का धन जुड़ा रहेगा । विनम्र व्यवहार से कोई छोटा नहीं होता बल्कि विनम्र आदमी सहज ही में सबका दिल जीत लेता हैं । अन्यथा अहंकार तो रिश्तों व साख दोनों ही का विनाशी सर्वनाशी है । वह गुरु से ज्ञान प्राप्त कर बड़ा होकर जो भी विनम्र नहीं होता उसके लिए कबीर जी ने सटीक कहा है बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर। अहंकार तो सर्वनाशी हैं । यह साख व सम्बन्ध दोनों ही का विनाशी हैं । विनम्रता का गुण रिश्तों के साथ-साथ स्वयं की आत्मा को भी अपनत्व का इत्र छिड़क कर पवित्र बना देता है । आज के समय में मनुष्य का मन अधीरता से जकड़ा हुआ है। भारतीय संस्कृति में माना जाता है कि विनम्र व्यक्ति में ईश्वर का वास होता है। यह बात भी बहुत खास हैं । अतः हम सदा विनम्र ताउम्र रहें चाहे कितनी ही सफलता मिल जाए, मन में अहंकार कभी ना आए। धर्म साधना में क्षमता के संदर्भ में धर्म के दो विभाग अगार धर्म और अणगार धर्म हैं । घर में रहते हुए धर्म की साधना करना अगार धर्म हैं । वह गृहत्याग करके धर्म की आराधना करना अणगार धर्म हैं । हम श्रावक साधना करते हैं बारह व्रती बन जाते हैं । वह अगार धर्म की साधना हैं । वह जब व्यक्ति घर से अभिनिष्क्रमण कर दे और सर्व सावद्य त्याग रूप साधुत्व स्वीकार कर लें वह गृहत्याग रूप में धर्म की आराधना का क्रम हो जाता हैं । आचार्य श्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के संदर्भ में गृहत्याग जीवन से यहां हम तेरापंथ की स्थापना से पूर्व का गृहत्याग रूप जीवन को विवक्षित कर सकतें हैं ।

गृहस्थ जीवन में भी आचार्य श्री भिक्षु का त्याग और साधना का क्रम रहा फिर उन्होंने गृहत्याग कर दिया और जैन शासन के एक आम्नाय में वे दीक्षित हो गए । कुछ वर्षों का उनका जो गृहत्याग के जीवन का काल रहा उसमें अपने गुरु का विश्वासपात्र बन जाना एक उपलब्धि मानी जा सकती हैं । शिष्य अनेक हो सकते हैं परन्तु सारे शिष्य एक समान हो यह आवश्यक नहीं हैं । वह शिष्य उपलब्धि-मान हैं जिस पर गुरु विश्वास करतें हैं वह आश्वस्त हो जाते हैं । वह ऐसे शिष्य जो कुछ ही समय में गुरु के लिए आलम्बन बन जाते हैं उनकी विशेष प्रतिभा हो सकती हैं । गुरु के प्रति उनकी निष्ठा होती हैं । वह गुरु की उनके प्रति निष्ठा होती हैं । निष्ठा दोनों तरफ से हो सकती हैं । आचार्य श्री भिक्षु अपने गुरु के लिए आश्वासनभूत बन गए । एक घटना प्रसंग गुरुकुल से विदाई का वक्त हो रहा था।आचार्य ने शिक्षण-प्रशिक्षण से सबको पारंगत भी कर दिया था। शिष्य पूर्ण संतुष्ट थे। वह कोई शत-प्रतिशत दक्ष तो हो ही नहीं सकता यह आचार्य जानते थे।

› प्रदीप छाजेड़

हैंडपंप के हैंडल से वार कर बोरे में भरी लाश ■ आरोपी पति और पिता हिरासत में

पत्नी की हत्या कर 90 किलोमीटर दूर फेंका शव

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली । चंदौली में शनिवार को एक युवक ने घरेलू विवाद के बाद अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को चादर में लपेटकर बोरे में भरा और कार से करीब 90 किलोमीटर दूर नौगढ़ के पहाड़ी क्षेत्र में झाड़ियों में फेंक दिया।

घटना की सूचना पर पुलिस ने मामले में आरोपी पति और उसके पिता को हिरासत में लेकर कार भी बरामद कर ली है। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के बिछिया खुर्द गांव का है।

चंदौली के चकिया नगर पंचायत क्षेत्र के मां कालीनगर कॉलोनी निवासी राधेश्याम की बेटी सोनी (28) की शादी 2020 में बिछिया खुर्द गांव निवासी रामलखन के बेटे गौतम कुमार खरवार उर्फ बाचा से हुई थी। दंपति का एक 5 वर्षीय बेटा तेजस भी है। मृतका की बड़ी बहन सोनम ने बताया कि माता-पिता के मौत के बाद चकिया नगर पंचायत स्थित मकान बेच दिया गया था। मकान से प्राप्त धनराशि को सभी भाई-बहनों में आपसी सहमति से बांट लिया गया था। जिससे परिवार में किसी प्रकार का विवाद नहीं था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में परिवार वाराणसी स्थित अपने मकान में रह रहा है। सभी लोग अपने जीवन में संतुष्ट थे। मृतका की छोटी बहन पिंकी ने बताया कि घटना से करीब एक सप्ताह पहले गौतम कुमार खरवारऔर सोनी बिहार में स्थित मां तूतला भवानी मंदिर दर्शन के लिए गए थे।

बताया जा रहा है कि शनिवार शाम किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी गौतम कुमार खरवारने हैंडपंप के लोहे के हैंडल से सोनी के सिर पर कई वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

शव को चादर में लपेटकर बोरे में भरा

वारदात के बाद आरोपी ने घबराने के बजाय सुनियोजित तरीके से साक्ष्य मिटाने की कोशिश की। उसने शव को चादर में लपेटा, बड़े बोरे में भरा और कार से करीब 90 किलोमीटर दूर नौगढ़ के पहाड़ी इलाके में ले जाकर झाड़ियों में फेंक दिया। इसके बाद वह वापस लौटा और कार को सर्विसिंग के लिए एजेंसी में छोड़ दिया। ताकि किसी को शक न हो।

रविवार सुबह मृतका की बहनों को घटना की भनक लगी। इसके बाद बहनें सोनम और पिंकी तथा भाई संजय सदर कोतवाली पहुंचे और आरोपी के खिलाफ हत्या की तहरीर दी।पुलिस टीम परिवार की तहरीर मिलते ही सक्रिय हो गई। दबिश देकर आरोपी गौतम कुमार खरवारऔर उसके पिता रामलखन को गिरफ्तार कर लिया।

इकलौता बेटा होने के कारण करता था मनमानी

आरोपी गौतम कुमार खरवारउर्फ बाचा अपने पिता रामलखन का इकलौता बेटा है। रामलखन सकलडीहा स्थित निबंधन कार्यालय में चपरासी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। गांव के लोगों के अनुसार, इकलौता बेटा होने के कारण गौतम कुमार खरवारशुरू से ही मनमानी और फिजूलखर्ची का आदी था। उसके पास जब पैसे खत्म हो जाते थे, तो वह आसपास के लोगों से कर्ज भी लेता था। वह एक कार शोरूम में कर्मचारी के रूप में काम करता था। लेकिन इसके बावजूद वह अक्सर परेशान और तनाव में रहता था।

कानपुर-मथुरा समेत 5 जिलों में ओले गिरे, 10 में बारिश

बर्बाद फसल देख किसान सिर पकड़कर बैठा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर/वाराणसी/लखनऊ। यूपी में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 72 घंटे में 15 लोगों की मौत हो गई। शनिवार शाम को शुरू हुई बारिश रविवार को भी जारी रही। काशी, गोंडा, सल्तानपुर समेत 10 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हुई। 40-50 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चली। कानपुर, मथुरा, संभल और हाथरस में ओले गिरे। जालौन में 24 घंटे में दूसरी बार ओलों की बारिश हुई। सड़क और खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई। इससे गेहूं और सरसों की फसल को नुकसान हुआ है। एक किसान अपनी बर्बाद फसल देखकर सिर पकड़कर खेत में बैठ गया। उसने कहा, "मर गए पूरी फसल बर्बाद हो गई। कुछ नहीं बचा। अब क्या खाएंगे।"

मौसम विभाग ने आज 23 जिलों में बारिश और 15 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। शनिवार की बात करें तो 15 जिलों में बारिश हुई। जालौन-कानपुर समेत 5 जिलों में ओले गिरे। कानपुर में आंधी से 200 से ज्यादा पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। चलते ऑटो पर बरगद का पेड़ गिर पड़ा। ड्राइवर और 60 साल की महिला की मौत हो गई।

सीतापुर में बिजली गिरने से घर में आग लग गई। मां-बेटी की जिंदा जलकर मौत हो गई। सिद्धार्थनगर में बारिश और आंधी के बीच बोलेरो नहर में जा गिरी। महिला और 5 महीने के मासूम की मौत हो गई, जबकि 7 घायल हो गए।

फास्ट न्यूज

लॉज संचालक ने ड्रिल मशीन से मां-बेटे का सिर फोड़ा

प्रयागराज। प्रयागराज के धूमनगंज में लॉज संचालक ने एमआर और उनकी मां पर ड्रिल मशीन से हमला किया। उनका सिर फोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। बीचबचाव को आए पड़ोसी को भी पीटा। इस पूरी घटना का वीडियो फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। हालांकि आरोप है कि अब तक उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

प्रेमी साथ मिलकर पत्नी ने पति का गुप्तांग काटा

आगरा । एक पत्नी ने अपने प्रेमी और मकान मालिक के साथ मिलकर अपने पति का गुप्तांग काट दिया। पति ने पत्नी के प्रेमी और मकान मालिक पर पिटाई करने और चाकू से प्राइवेट पार्ट (गुप्तांग) काटने का आरोप लगाया है। पीड़ित पति ने बताया- मुझे शक था कि मेरी पत्नी का काफी समय से मकान मालिक के परिचित युवक से संबंध है। जब मैंने इसका विरोध किया तो उसने मेरा प्राइवेट पार्ट काट दिया। पुलिस ने उसे एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। हालांकि सर्जरी के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर है।

20 साल से जेल में बंद, याचिका पर मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केंद्रीय कारागार वाराणसी में 20 साल से उम्रकैद की सजा भुगत रहे सिद्ध दोष कैदी बैजू पुत्र गंगा कोहार निवासी थाना पुरंदरपुर जिला महाराजगंज की समय पूर्व रिहाई की याचिका पर राज्य सरकार से दो हफ्ते में जवाब मांगा है और याचिका 17 अप्रैल को सुनवाई के लिए पेश करने का निर्देश दिया है।

लेखपाल की मनमानी से परेशान किसान

तीन बार किया आय प्रमाण पत्र का आवेदन निरस्त

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद के मथुरा में लेखपालों द्वारा किसानों के शोषण की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला थाना बलदेव क्षेत्र की ग्राम पंचायत पटलौनी का है, जहां एक किसान को आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बार-बार परेशान होना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत पटलौनी निवासी गिर्राज शरण ने आरोप लगाया है कि महावन तहसील के लेखपाल हरवीर द्वारा उसका आय प्रमाण पत्र आवेदन लगातार तीन बार निरस्त कर दिया गया। पीड़ित के अनुसार वह मूल रूप से अपने गांव का निवासी है, जहां उसका पैतृक मकान और कृषि भूमि स्थित है। उसके और उसके परिवार के आधार कार्ड व वोटर आईडी भी ग्राम पटलौनी के ही बने हुए हैं।

हाल ही में उसने परिवार सहित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण ग्राम पंचायत पटलौनी से कराया है। गिर्राज शरण ने बताया कि वर्तमान में वह अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए कस्बा बलदेव में दुकान संचालित करता है और वहीं एक मकान भी बनवा लिया है, लेकिन गांव से उसका लगातार संपर्क बना रहता है। इसके बावजूद लेखपाल द्वारा बिना स्पष्ट कारण के आवेदन निरस्त किया जा रहा है। पीड़ित किसान ने लेखपाल पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि आय प्रमाण पत्र न बनने से उसके बच्चों के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है।

तेज बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं की फसल बर्बाद

तमसा संकेत, एजेंसी

किसानों पर टूटा कहर

मथुरा। जनपद में अचानक बदले मौसम ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। रविवार को तेज बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि ने जनपद के बलदेव ,फरह सहित अन्य सभी ब्लॉक के गांवों में खेतों में खड़ी और कटी हुई गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई गांवों में हालात ऐसे हैं कि पूरी की पूरी फसल जमीन पर बिछ गई है, जिससे किसानों के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

बताया जा रहा है कि जिस समय किसान गेहूं की कटाई में जुटे थे, उसी दौरान तेज हवाओं के साथ बारिश और ओले गिरने लगे। देखते ही देखते खेतों में खड़ी फसल गिर गई, जबकि कटी हुई फसल भीगकर सड़ने लगी। इससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है—एक तरफ खड़ी फसल बर्बाद हुई, तो दूसरी तरफ तैयार अनाज भी खराब हो गया।

ओलावृष्टि के बाद गांवों में बर्बादी का मंजर साफ देखा जा सकता है। जहां कुछ दिन पहले तक सुनहरी फसल लहलहा रही थी, वहां अब पानी में भीगे और गिरे हुए पौधे नजर आ रहे हैं। यह दृश्य देखकर कई किसान भावुक हो उठे और फफक-फफक कर रोने लगे। उनका कहना है कि इस फसल पर ही उनके पूरे साल का खर्च और परिवार की उम्मीदें टिकी थीं।

किसानों ने बताया कि उन्होंने महंगे बीज, खाद और सिंचाई के लिए कर्ज लेकर फसल तैयार की थी, लेकिन इस प्राकृतिक आपदा ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। अब उनके सामने न केवल परिवार के पालन-पोषण की समस्या है, बल्कि कर्ज चुकाने की भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। वहीं भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि अतिवृष्टि और ओलावृष्टि ने किसानों की फसल पूरी तरह चौपट कर दी है।

स्वर्णकार नेतृत्व संगम आयोजित

समाज की एकता व अधिकारों पर हुआ मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। सेक्टर-12 स्थित सेंट्रल पार्क फरीदाबाद में स्वर्णकार समाज की ओर से "स्वर्णकार नेतृत्व संगम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यसभा सांसद झारखण्ड प्रदीप वर्मा, लोकजन शक्ति पार्टी खगडिया बिहार के सांसद राजेश वर्मा, उत्तर प्रदेश अपना दल एस के शोहरतगढ़ से विधायक विनय वर्मा, सुनील सोनी विधायक रायपुर दक्षिण, मोहन वर्मा विधायक हाटा,श्रीमती सविता कपूर विधायक देहरादून कैंट, जीवन कुमार एमएलसी बिहार, कैलाश सोनी पूर्व सांसद राज्यसभा मध्य प्रदेश एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी संघ, मुकेश टंडन विधायक विदिशा, प्रीतम सिंह पंवार विधायक उत्तराखण्ड, हरिपाल वर्मा माननीय न्यायमूर्ति एवं लोकायुक्त हरियाणा सरकार एवं अनेकों राज्यों से आईएएस, आईपीएस एवं अन्य पुलिस अधिकारी गण शामिल हुए।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वर्णकार समाज में एकता बढ़ाना और उनकी समस्याओं के समाधान पर चर्चा करना रहा। इस दौरान हरियाणा में स्वर्णकार कला बोर्ड के गठन की मांग उठाई गई और सांसदों को ज्ञापन सौंपा गया।

महर्षि कश्यप जयंती व निषादराज गुह जन्मोत्सव में उमड़ा जनसैलाब

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गाजियाबाद में कार्यक्रम को किया संबोधित

- महर्षि कश्यप जयंती एवं महाराजा निषादराज गुह जन्मोत्सव कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब
- योजनाओं की दी जानकारी,उपलब्धियां गिनाईं
- श्रृंगवेरपुर धाम के विकास व राम मंदिर निर्माण को बताया ऐतिहासिक उपलब्धि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ / गाजियाबाद । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को जनपद गाजियाबाद में आयोजित सप्तऋषियों में एक महर्षि कश्यपजी एवं प्रभु श्रीराम के परमसखा निषादराज गुह के जन्मोत्सव महाकुंभ में सहभागिता करते हुए विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया तथा कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए एवं दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया।

अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को दंगों एवं अपराध के भय से मुक्त कर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है, जिससे शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बना है।

उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश में लगभग 60 लाख गरीब एवं वंचित परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं। देशभर में 4 करोड़ लोगों को इस योजना से लाभान्वित किया गया है तथा आगामी समय में 3 करोड़ आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

इसी प्रकार सौभाग्य योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को विद्युत कनेक्शन तथा आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

संख्या- 36/ न०पा०प०अ0/2026-27 (निर्माण) दिनांक 04.04.2026

अतिअल्पकालीन पुनः ई-निविदा (Retender) सूचना

नगर पालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/पचिलक सेक्टर विभाग /राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैसा लागू, हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर 02 प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प शुल्कर मंद के अनतर्गत कार्यालय पत्र संख्या-4120/न०पा०प० अ०/2025-26 (निर्माण) दिनांक-17.01.2026 के द्वारा 14 निर्माण कार्य व 15वां वित्त आयोग (निर्दिष्ट / बुनियादी अनुदान) के अन्तर्गत कार्यालय पत्र संख्या-4122/न०पा०प०अ0/2025-26 (निर्माण) दिनांक-19.01.2026 के द्वारा 12 निर्माण कार्यों की पुनः ई-निविदा आमंत्रित की गयी थी, जिसमें 02 प्रतिशत स्टाम्प अतिरिक्त शुल्क के अन्तर्गत कार्य सं0-18, 25, 26 की बिड निविदा शर्तों के अनुरूप न होने, कार्य सं0-08 पर कोई बिड प्राप्त न होने व 15 वां वित्त आयोग (निर्दिष्ट अनुदान) मद के अन्तर्गत कार्य सं०-04 की बिड निविदा शर्तों के अनुरूप न होने, कार्य सं0-03 पर बिड प्राप्त न होने, 15वां वित्त आयोग (बुनियादी अनुदान) के अन्तर्गत कार्य सं0-14, 25, 26 पर कोई बिड न प्राप्त होने कारण उक्त कार्य की पुनः ई-निविदा (Retender) आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें पूर्ववत् रहेगी। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य का विवरण वेबसाइट https://www.etender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता है।
2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि-06.04.2026 से 15.04.2026 तक
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय दिनांक 15.04.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक।
4. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि / समय दिनांक-15.04.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक।
5. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है. जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद,
अकबरपुर अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,
अकबरपुर अम्बेडकरनगर

घर के सामने गाड़ी का पहिया ऊपर से गुजरा कानपुर में पोस्टिंग थी, हर वीकेंड पर आते थे

सरकारी डॉक्टर को ट्रक ने रौंदा

घटना

- डॉ. जयप्रकाश वर्मा हर शनिवार शाम को लखनऊ स्थित घर आ जाते थे। सोमवार सुबह वापस कानपुर ड्यूटी पर जाते थे।
- बेटे ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में ट्रक ने एक डॉक्टर को रौंद दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना CCTV में कैद हुई है। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। घटना मड़ियांव थाना क्षेत्र में शनिवार शाम 6:15 बजे शालीमार गार्डन के गेट पर हुई। मृतक की पहचान शालीमार गार्डन निवासी डॉ. जय प्रकाश गुप्ता (58) के रूप में हुई। उनकी पोस्टिंग कानपुर में थी। हर वीकेंड पर जय प्रकाश अपने परिवार के पास आते थे। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। डॉ. जयप्रकाश वर्मा हर शनिवार शाम को लखनऊ स्थित घर आ जाते थे। सोमवार सुबह वापस कानपुर ड्यूटी पर जाते थे।

पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। घटना स्थल पर लगे CCTV कैमरे में घटना कैद थी। पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर मिक्सर ट्रक का नंबर पता किया। कुछ देर बाद मिक्सर ट्रक के ड्राइवर जीतू को गिरफ्तार कर लिया। डॉ. जयप्रकाश वर्मा के बेटे देवांश ने मामले की मड़ियांव थाने में शिकायत दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मिक्सर ट्रक के ड्राइवर जीतू की लापरवाही से उनके पिता की मौत हुई है। पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। पत्नी KGMU में प्रोफेसर हैं

रॉन्ग साइड से जा रहे मिक्सर ट्रक ने रौंदा

पुलिस के मुताबिक, शालीमार सिटी के विला में डॉ. जय प्रकाश वर्मा, पत्नी डॉ. अर्चना रानी और 2 बेटों- देवांश और देवेंद्र के साथ रहते थे। उनकी कानपुर के कमलापत मेमोरियल हॉस्पिटल में तैनाती थी। शनिवार को वह कानपुर से मड़ियांव स्थित घर आ रहे थे।

चारबाग तक वह रोडवेज बस से आए। चारबाग से ऑटो से सोसायटी के गेट पर पहुंचे। गेट से उनके घर की दूरी करीब 200 मीटर है। उनका बड़ा बेटा देवांश उन्हें रिसीव करने गेट पर आने वाला था। इस दौरान गेट के पास रॉन्ग साइड जा रहे मिक्सर ट्रक ने उन्हें रौंद दिया।

मिक्सर ट्रक का पिछला पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गेट पर खड़े सुरक्षाकर्मी ने इसकी उनके परिजनों और पुलिस को सूचना दी।

सीमेंट मिक्स करने वाला ट्रक सड़क किनारे स्थित हाते से बाहर रॉन्ग साइड में मुड़ा। इसी दौरान डॉक्टर को रौंद दिया।

> डॉ. जयप्रकाश वर्मा की पत्नी अर्चना रानी केजीएमयू में एनाटॉमी विभाग में प्रोफेसर हैं। बड़ा बेटा देवांश एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। छोटा बेटा देवेंद्र बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। पिता की मौत की सूचना पर वह बेंगलुरु से लखनऊ आया।

ओलावृष्टि से फसल नुकसान पर जिलाधिकारी का सख्त रुख

प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद में हाल ही में आई तेज़ आंधी, बारिश एवं ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान के मद्देनज़र जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने तहसील छाता के ग्राम चौमुंहा एवं पसौली तथा तहसील सदर के ग्राम देवी आटस का दौरा कर हालात का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने खेतों में पहुंचकर फसलों की वास्तविक स्थिति देखी और किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने बारी-बारी से अपनी परेशानियों को साझा किया, जिस पर जिलाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने उप जिलाधिकारी छाता वैभव गुप्ता को निर्देश दिए कि सभी प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वे प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुआवजा वितरण की प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरी की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षति का आकलन शीघ्र और निष्पक्ष तरीके से किया जाए, जिससे शासन द्वारा निर्धारित राहत सहायता समय पर किसानों तक पहुंच सके। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

फास्ट न्यूज

जीएसटी अफसर से विवाद के बाद ट्रांसपोर्टर की मौत

आगरा । आगरा में एक ट्रांसपोर्टर की लाश शनिवार सुबह 5 बजे सड़क पर मिली। सिर पर चोट के निशान थे। ट्रांसपोर्टर अजहर का कुछ महीनों से GST अधिकारी से विवाद चल रहा था। उन्होंने जीएसटी अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।

अजहर के बेटे सजमल ने बताया- पिता ने गुरुवार को जीएसटी अधिकारी के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसके बाद अलग-अलग नंबरों से धमकी भरे कॉल आ रहे थे।

बारिश और ओले से सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल तबाह

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई है। जिससे यहां पर गेहूं की पकी खड़ी फसल को काफी नुकसान हुआ है। रविवार सुबह किसान खेतों में पहुंचे तो उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। यहां खेतों में गेहूं की फसल झुकी हुई पड़ी थी, जिससे गेहूं की बाली खराब होने की आशंका है।

किसान धीरेन्द्र कुमार ने बताया- काफी मेहनत कर दिन रात एक करके फसल को तैयार करने में अपनी पूरी कमाई लगा दी। अब उन्हें गेहूं की पैदावार से उम्मीद थी, खेतों में गेहूं की पकी फसल खड़ी थी, अचानक हुई बारिश और ओलावृष्टि से पैदावार पर काफी फर्क पड़ेगा।

रबर सोल फैक्ट्री में भीषण आग

आगरा। आगरा के सिकंदरा क्षेत्र अंतर्गत श्रीजीपुरम इंडस्ट्रियल एरिया में रविवार शाम रबर सोल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठने लगी। दूर से काले धुएं का गुबार दिख रहा है। आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ी पहुंच गई हैं। आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। सिकंदरा क्षेत्र में वाधवा रबर सोल फैक्ट्री है। शाम को अचानक फैक्ट्री से आग की लपटें उठने लगी।

मिर्जापुर में होंडा सिटी कार से 100 किलो गांजा बरामद

50 लाख की खेप के साथ हिस्ट्रीशीटर समेत 5 तस्कर गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

मिर्जापुर । मिर्जापुर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 50 लाख रुपये मूल्य का 100 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इस मामले में एक हिस्ट्रीशीटर समेत पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। तस्करी में प्रयुक्त होंडा सिटी कार को भी सीज कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, मिर्जापुर में अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह और क्षेत्राधिकारी सदर मुनेंद्र सिंह के नेतृत्व में थाना पड़री व एसओजी/सर्विलांस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने 4 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार को रोका। तलाशी लेने पर कार में छिपाकर रखा गया करीब 100 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उड़ीसा के संभलपुर से गांजा लाकर मिर्जापुर, प्रयागराज और आसपास के जिलों में सप्लाई करने जा रहे थे। मौके से तीन मोबाइल फोन और 510 रुपये नकद भी बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों में प्रयागराज निवासी सत्यम सिंह उर्फ राहुल सिंह (30), सौरभ मिश्रा उर्फ पुष्कर मिश्रा (24), विकास तिवारी उर्फ विक्कू (24), राजन तिवारी उर्फ विश्वजीत तिवारी (40) और पवन पाण्डेय (28) शामिल हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत उद्घाटन एवं सरस्वती पूजन के साथ हुआ

एमआईईटी में 28 घंटे का टेक हैकाथॉन 'ट्रिकॉन 3.0' सफलतापूर्वक संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी), मेरठ के सीएसई (एआई) एवं सीएसई (एआई एवं एमएल) विभाग की सोसायटी इंटेलिया द्वारा "ट्रिकॉन 3.0 – ए टेक ट्रायथलॉन" का सफल आयोजन किया गया। यह 28 घंटे का ऑफलाइन हैकाथॉन 4 अप्रैल से 5 अप्रैल 2026 तक रमन ब्लॉक स्थित ऑडी 4 में "बिल्ड विद एआई फॉर ए स्मार्टर फ्यूचर" थीम के अंतर्गत आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत उद्घाटन एवं सरस्वती पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर कैंपस निदेशक प्रो. (डॉ.) एस. के. सिंह, डीन एकेडमिक्स प्रो. (डॉ.) संजीव सिंह, एसोसिएट डीन डॉ. कृष्ण कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ. हनी तोमर, डॉ. विनीत कुमार, डॉ. रामबीर सिंह तथा ईसीई, एमबीए एवं सीएस विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण एवं औपचारिक उद्घाटन ने प्रतिभागियों में उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम का सफल संचालन इंटेलिया की समन्वयक डॉ. अनामिका सिंह द्वारा किया गया। इस हैकाथॉन में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से लगभग 350 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 35 टीमों को अगले चरण के लिए चयनित किया गया। दो दिवसीय इस आयोजन की शुरुआत "एआई विजन ब्लूप्रिंट" राउंड से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने आइडियाज प्रस्तुत किए। इसके पश्चात डेवलपमेंट फेज, मेंटरिंग सेशंस, स्पीकर सेशंस एवं विभिन्न मूल्यांकन चरण आयोजित किए गए। कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के उपरांत टीम बैक्टीरियाज ने प्रथम स्थान, टीम फंगस ने द्वितीय स्थान तथा टीम एसेंशियल्स ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं टीम ट्रिब्यूट्स को "बेस्ट ऑल-गर्ल्स टीम" अवॉर्ड से सम्मानित किया गया तथा टीम कोरेक्स को विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

> शीर्ष 20 टीमों ने डेवलपमेंट चरण में प्रवेश कर रातभर लगातार कार्य करते हुए अपने प्रोजेक्ट्स को विकसित किया। इसके बाद 'इम्पैक्ट एरीना' में शीर्ष 10 टीमों ने अपने नवाचारों की प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में एआई/एमएल, आईओटी, एआर/वीआर तथा ओपन इनोवेशन जैसे विविध क्षेत्रों में प्रतिभागियों ने अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया।

सीएसजेएमयू के लॉ डिपार्टमेंट में एडमिशन शुरु

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। सीएसजेएमयू के अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विवि द्वारा इस सत्र में विधि पाठ्यक्रमों को समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप बदला भी गया है। पाठ्यक्रम में संवैधानिक मूल्यों, आपराधिक न्याय प्रणाली, कॉर्पोरेट एवं व्यावसायिक कानून तथा बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे उभरते क्षेत्रों को विशेष रूप से शामिल किया गया है। इसके साथ ही भारतीय विधिक परंपरा एवं न्यायशास्त्र को भी समाहित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों स्तरों पर प्रशिक्षण मिल सके। स्कूल में यूजी स्तर पर बीए एलएलबी (ऑनर्स), बीबीए एलएलबी (ऑनर्स) तथा तीन वर्षीय एलएलबी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इंटरमीडिएट पास होना आवश्यक है, जबकि तीन वर्षीय एलएलबी के लिए स्नातक डिग्री अनिवार्य है। स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय एवं एक वर्षीय एलएलएम कार्यक्रम भी संचालित हैं। निदेशक डॉ. स्मृति रॉय ने बताया कि सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पूर्णतः मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

> बीएएलएलबी, बीबीएएलएलबी और एलएलबी कोर्स हो रहे संचालित

फर्जी फर्म बनाकर 10 करोड़ की जीएसटी चोरी, दो गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । कोतवाली नगर क्षेत्र में फर्जी फर्म पंजीकृत कर कूटरचित बिल/इनवॉइस के जरिए लगभग 10 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसआईटी (GST) टीम, अपराध शाखा बहराइच द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार, मु0अ0सं0 183/2025 के तहत दर्ज इस मामले में सहायक आयुक्त राज्य कर अधिकारी संदीप कुमार सिंह द्वारा 25 अगस्त 2025 को शिकायत दी गई थी। शिकायत में बताया गया था कि मीना इंटरप्राइजेज नामक फर्म द्वारा बिना वास्तविक व्यापार किए जीएसटी पोर्टल पर फर्जी रिटर्न दाखिल कर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का अवैध लाभ लिया जा रहा था। जांच के दौरान सामने आया कि इस फर्जीवाड़े में दो आरोपी शामिल हैं: शुभम गुप्ता निवासी बाराबंकी,नेक आलम निवासी सीतापुर,दोनों आरोपियों को 05 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे संगठित तरीके से फर्जी कंपनियां बनाकर कागजों पर ही लेन-देन दिखाते थे। बिना वास्तविक व्यापार के फर्जी बिल तैयार किए जाते थे। कंपनियों के बीच केवल कागजी लेन-देन दिखाया जाता था। इसी आधार पर भारी मात्रा में ITC का गलत फायदा उठाया जाता था।

10,23,66,540 रुपये की राजस्व हानि हुई।

पुलिस ने आरोपियों के पास से कई महत्वपूर्ण सामान बरामद किए हैं:

मीना इंटरप्राइजेज, छैल ट्रेडर्स और रतन इंटर प्राइजेज से जुड़े फर्जी दस्तावेज,एक डेल कंपनी का लैपटॉप,दो मोबाइल फोन,आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस

6 ATM कार्ड,एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (UP31CJ7875)।

इस कार्रवाई में एसआईटी (GST) टीम के

उपनिरीक्षक इन्द्रभानु राय, अभिलाख सिंह, अश्वनी पाण्डेय और हरिनाथ सिंह शामिल रहे। पुलिस द्वारा मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

मारपीट व धमकी के मामले में आठ वारंटी गिरफ्तार

कासगंज पुलिस ने की कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। कासगंज में वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ढोलना थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में वांछित 8 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। इन आरोपियों पर पॉक्सो एक्ट, मारपीट, धमकी, घर में घुसकर अपराध और आबकारी अधिनियम समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार, कासगंज में पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह के निर्देश पर पूरे जनपद में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार गंगा प्रसाद के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

> कोर्ट से जारी वारंट के बाद से थे फरार

इसी क्रम में थाना ढोलना के इंस्पेक्टर जगदीशचन्द्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दबिश देकर 8 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में हिमांशु, सचिन, बृजेश, कैलाश, रामसिंह, अरविंद और दो महिला वारंटी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी न्यायालय से जारी वारंट के तहत लंबे समय से फरार चल रहे थे। टीम ने इन्हें उनके घरों से गिरफ्तार किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

'ताक पर रखा...

एक ओर संदेशखाली जैसी बहनों की चीखें है तो दूसरी ओर नारी शक्ति को सुरक्षा और सशक्तिकरण की मोदी की गारंटी है।

TMC वाले SIR का विरोध करती है। CAA को रद्द करने की धमकी दे रही हैं। इससे ये सरकार जिन हिंदुओं को नागरिकता मिली है, उनसे नागरिकता छीनेंगे और अवैध घुसपैठियों को नागरिकता देंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि TMC इनको अपना वोट बैंक मानती है।

TMC के अन्याय की लिस्ट बहुत लंबी है। जब उत्तर कन्या को बनाया गया था, तब कहा गया था कि यह विकास का केंद्र बनेगा। लेकिन TMC सरकर के लोग अभी तक विकास के पैसों का कमीशन खोजने में लगे हैं। बार-बार विकास का वादा दोहराया गया लेकिन आज 14 सालों बाद भी जमीन पर कोई काम नहीं हुआ।

आज कूच बिहार का किसानों के साथ भी अन्याय हो रहा है। हमारे किसान भाई बहन कठोर परिश्रम करते हैं, लेकिन उन्हें इसकी सही कीमत नहीं मिलती। आप आलू का रिकॉर्ड उत्पादन करते हैं। लेकिन, उन्हें औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। यहां आलू स्टोर की कोई व्यवस्था नहीं। इससे फसल सड़ने लगती है। ढाई लाख किसानों को हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि में भेजे है। आपके आशीर्वाद से बंगाल में डमल इंजन का सरकार बनेगी तो यहां से अन्याय खत्म होगा।

ईरान के पहाड़ों में...

अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने 3 अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि ईरान ने शुक्रवार को F-15 विमान गिरा दिया था। उसमें दो लोग थे। एक मेन पायलट और एक एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफिसर (जो हथियारों को ऑपरेट करता है)। मेन पायलट को कुछ घंटों के भीतर ही बचा लिया गया था। लेकिन एयरमैन पैराशूट से उतरने के बाद घायल हो गया। चोट लगने के बावजूद वह चलने की हालत में था। इसके बाद वह ईरान के पहाड़ी इलाके में छिप गया और वहां एक दिन से ज्यादा समय तक पकड़ से बचता रहा। उसने अपनी SERE ट्रेनिंग (जिंदा रहना, बचना, विरोध करना और निकलना) का इस्तेमाल करते हुए कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत के कठिन पहाड़ी इलाके में खुद को छिपाए रखा।

विधानसभा चुनाव से ...

तमिलनाडु में 170 करोड़ रुपए की जब्ती हुई, जिसमें 30 करोड़ नकद, 67 करोड़ के नशीले पदार्थ और 63 करोड़ की उपहार सामग्री शामिल है. असम में 97 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती हुई, जिसमें नकदी, शराब और मादक पदार्थ शामिल हैं. केरल में 58 करोड़ रुपए की जब्ती दर्ज की गई, जिसमें नकदी, शराब और नशीले पदार्थ प्रमुख हैं.

कुल मिलाकर चुनावी राज्यों में 53.2 करोड़ रुपए नकद, 79.3 करोड़ रुपए की 29.63 लाख लीटर शराब, 230 करोड़ के नशीले पदार्थ, 58 करोड़ की कीमती धातुएं और 231 करोड़ से अधिक की उपहार सामग्री जब्त की गई है.

आयोग ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जांच के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े. शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तर पर शिकायत समितियां भी गठित की गई हैं. नागरिक और राजनीतिक दल ईसीआईएनईटी के सी-विजिल मॉड्यूल के जरिए आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत दर्ज करा सकते हैं.

गौरतलब है कि आयोग ने 15 मार्च 2026 को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव और 6 राज्यों में उपचुनाव की घोषणा की थी. साथ ही आदर्श आचार संहिता के सख्त पालन के निर्देश दिए गए हैं.

असम सीएम की पत्नी ...

सीएम हिमंता ने कांग्रेस के आरोपों का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर जवाब दिया। उन्होंने लिखा कि- प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस की हताशा और घबराहट दिखाती है। वे आधारहीन हमले कर रहे हैं। मैं उनके हर आरोप को खारिज करता हूं। हम 48 घंटे में पवन खेड़ा पर मानहानि का केस करेंगे।

पवन खेड़ा ने दावा किया कि अमेरिका में हिमंता की पत्नी रिंकी भुइंया सरमा की एक कंपनी है। इस कंपनी की मेंबर लिस्ट में रिंकी भुइंया सरमा, हिमंता बिस्वा सरमा और उनके बेटे का नाम है। इस कंपनी का बजट 52,000 करोड़ रुपए का है। उन्होंने दावा किया की रिंकी सरमा की दुबई में 2 प्रॉपर्टी हैं, जिसकी पूरी जानकारी उपलब्ध है।

हिमंता बिस्व सरमा ने पवन खेड़ा की कॉन्फ्रेंस के कुछ देर बाद ही X पर पर पोस्ट किया कि उनके दिखाए गए दस्तावेजों में नाम की स्पेलिंग, फोटो और पासपोर्ट विवरण जैसी कई गंभीर गलतियां हैं, जो साफ तौर पर इनके फर्जी और डिजिटल छेड़छाड़ होने का सबूत हैं।

इन मनगढ़ंत दस्तावेजों के आधार पर झूठ फैलाने के लिए पवन खेड़ा को जेल जाना होगा और सच्चाई की जीत होगी।

असम CM ने 2 फरवरी को कहा था कि कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी, फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था। हिमंता ने यह भी दावा किया था कि अली तौकीर 2010 से 2013 के बीच 13 बार भारत आया था। उसका मकसद दुनिया में भारत विरोधी नैरेटिव तैयार करना था।

गाजी मियां माफिया...

उन्होंने अकादमी के भवन और दो प्रेक्षागृहों का लोकार्पण किया। कलाकारों और छात्रों को सम्मानित किया। 'रंगभेद' पत्रिका का विमोचन किया।

योगी ने कहा- माना जाता है कि इस्लाम में इस प्रकार की मौत जहन्नुम में जाने की गारंटी होती है। महाराज सुहेलदेव ने उसे जहन्नुम भेजने की गारंटी दी थी। जब तक अत्याचारी के साथ इस प्रकार का व्यवहार नहीं करेंगे, वह भारत की संस्कृति से इसी प्रकार का व्यवहार करता रहेगा।

पांच राज्यों में गरमाई ...

असम में इस बार चुनावी मुकाबला काफी दिलचस्प माना जा रहा है। यहां बाढ़, रोजगार और विकास जैसे मुद्दे प्रमुखता से उभरकर सामने आए हैं। सत्तारूढ़ दल अपने कामकाज के आधार पर जनता से समर्थन मांग रहा है, जबकि विपक्ष सरकार को इन मुद्दों पर घेरने की कोशिश कर रहा है। कई सीटों पर सीधी टक्कर देखी जा रही है, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक हो गया है।

केरल में चुनाव को मौजूदा सरकार के कामकाज पर जनमत संग्रह के तौर पर देखा जा रहा है। यहां सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन और विपक्ष के बीच कड़ा मुकाबला है। एक ओर सरकार अपनी उपलब्धियों को गिना रही है, वहीं विपक्ष बेरोजगारी और बढ़ते कर्ज को बड़ा मुद्दा बना रहा है। राज्य की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था भी चुनावी बहस का हिस्सा बनी हुई है। तमिलनाडु में चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म है और क्षेत्रीय दलों के बीच सीधी भिड़ंत देखने को मिल रही है। चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त योजनाएं, सब्सिडी और नकद सहायता जैसे वादे किए जा रहे हैं।

साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भी राजनीतिक दल एक-दूसरे पर हमलावर हैं। शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे भी मतदाताओं के बीच अहम भूमिका निभा रहे हैं।

ट्रम्प ने ईरान को ...

ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोले दे, नहीं तो नरक जैसे हालात में पहुंच जाएगा।

अमेरिका ने इससे पहले गुरुवार को ईरान की राजधानी तेहरान को कराज शहर से जोड़ने वाले B1 हाईवे ब्रिज पर हमला किया था। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता है।

अशोक ने 154 की स्पीड से गेंद फेंकी, बिश्नोई 200 टी-20 विकेट वाले यंगेस्ट इंडियन

बटलर से वैभव-यशस्वी के कैच छूटे

मुकाबला

अहमदाबाद, एजेंसी

IPL 2026 के 9वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को 6 रन से हरा दिया। अहमदाबाद में खेले गए इस मुकाबले में RR ने 210 रन बनाए, जबकि GT 204 रन ही बना सकी।

मैच के दौरान जोस बटलर से वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के अहम कैच छूटे। वहीं, गुजरात के अशोक शर्मा ने 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से इस सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकी।

दूसरी ओर, रवि बिश्नोई ने टी-20 क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए और इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले सबसे युवा भारतीय गेंदबाज बन गए।

जोस बटलर ने वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल का कैच छोड़ा।

रवि बिश्नोई ने गुजरात के ग्लेन फिलिप्स का विकेट लेते ही टी-20 क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे किए। उन्होंने यह उपलब्धि 25 साल 211 दिन की उम्र में हासिल की और इसी के साथ वह टी-20 में 200 विकेट लेने वाले सबसे युवा भारतीय गेंदबाज बन गए। उन्होंने यह मुकाम अपने करियर के 170वें टी-20 मैच में हासिल किया।

बिश्नोई टी-20 में 200 विकेट लेने वाले 19वें भारतीय गेंदबाज बने हैं, जबकि स्पिनर्स की लिस्ट में वह 9वें स्थान पर हैं। हालांकि, ओवरऑल टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में 200 विकेट लेने का रिकॉर्ड राशिद खान के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 साल 119 दिन की उम्र में हासिल की थी।

पारी की शुरुआत में ही वैभव सूर्यवंशी ने चौका लगाकर अपने पहले रन बनाए। मोहम्मद सिराज की लेग स्टंप पर डाली गई लेंथ गेंद को उन्होंने हल्के से ग्लांस करते हुए फाइन लेग की दिशा में चौके के लिए भेज दिया।

जोस बटलर से वैभव सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल का कैच छूट गया। अशोक शर्मा की गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने शॉट खेला, गेंद बल्ले का किनारा लेकर स्लिप की दिशा में गई। बटलर ने फुल लेंथ डाइव लगाकर कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई और चौके के लिए निकल गई। इस जीवनदान का वैभव ने पूरा फायदा उठाया और अगली ही गेंद पर पॉइंट की दिशा में छक्का लगाकर टीम की फिफ्टी पूरी कर दी। इससे पहले यशस्वी जायसवाल को भी जीवनदान मिला था। सिराज की शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर यशस्वी ने फ्लिक खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद विकेटकीपर की ओर गई। बटलर ने दाईं ओर डाइव लगाई, लेकिन कैच पकड़ नहीं सके।

अशोक शर्मा ने इस सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकी

गुजरात के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने इस सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी। इस सीजन में इससे पहले सबसे तेज गेंद का रिकॉर्ड एनरिक नॉर्त्या (150.9 किमी/घंटा) के नाम था। हालांकि, IPL इतिहास की सबसे तेज गेंद का रिकॉर्ड अभी भी शॉन टैट के नाम है, जिन्होंने 2011 में 157.71 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी थी।

साई सुदर्शन ने आईपीएल में सिर्फ 42 पारियों में अपनी 15वीं फिफ्टी पूरी कर ली। वे इस मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं और केवल क्रिस गेल (41 पारियां) उनसे आगे हैं। सुदर्शन ने शॉन मार्श (43) को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

अशोक शर्मा ने 4 ओवर में 37 रन देकर एक विकेट लिया।

वैभव के आईपीएल में 30 सिक्स पूरे

वैभव सूर्यवंशी ने IPL में अपने 30 सिक्स पूरे कर लिए। वे 19 साल या उससे कम उम्र में सबसे तेजी से इस आंकड़े तक पहुंचने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सिर्फ 157 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया। ऋषभ पंत और ईशान किशन ने भी 30-30 सिक्स लगाए थे, लेकिन उन्होंने इसके लिए काफी ज्यादा गेंदें खेलीं।

शुबमन गिल की इंजरी पर आया बड़ा अपडेट

कोच ने बताया कब हो रही गुजरात के कप्तान की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

शुभमन गिल शनिवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए आईपीएल 2026 के 9वें मैच में नहीं खेल पाए। उनकी गैरमौजूदगी में राशिद खान ने टीम की कमान संभाली थी। टॉस के दौरान राशिद ने बताया था कि गिल को मसल स्पैस्म है और इसी कारण वह मैच नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह कुमार कुशाग्र गुजरात के लिए डेब्यू किया।

गिल की अनुपस्थिति गुजरात के लिए करारा झटका साबित हुई। टीम 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही और इस सीजन अपनी

दूसरी हार का सामना करना पड़ा। गुजरात टाइटंस का अगला मैच 8 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ है। गुजरात टाइटंस के असिस्टेंट कोच पार्थिव पटेल ने गिल की वापसी पर अपडेट दिया है।

पार्थिव पटेल ने कहा, ₹नवंबर 2025 में भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के दौरान गिल की गर्दन में मोच आ गई थी और कुछ दिन पहले उन्हें ऐंठन भी हुई थी। हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच के लिए फिट होंगे। चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है। इंजरी मैनेजमेंट के बारे में मैं ज्यादा नहीं जानता, लेकिन मैं आपको विश्वास दिला सकता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे।

आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन अब तक फीका रहा है। टीम ने दो मैच खेले हैं और उन्हें दोनों में हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात को अपने पहले मैच में पंजाब किंग्स के हाथों 3 विकेट से हार मिली थी। इसके बाद शनिवार को राजस्थान रॉयल्स ने करीबी मैच में गुजरात को 6 रन से धूल चटाई।

कोलकाता को पहली जीत के लिए करने होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स सोमवार को आईपीएल 2026 के 12वें मुकाबले में शानदार फॉर्म में चल रही पंजाब किंग्स से टकराएगी। यह टक्कर कोलकाता के ईडन गार्डंस में होगी। 3 बार की चैंपियन केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना जैसे तेज गेंदबाजों की कमी साफ खल रही है। इस सीजन कोलकाता ने 2 मैच खेले हैं और उन्हें किसी में भी सफलता नहीं मिली है। दूसरी ओर इन फॉर्म पंजाब किंग्स जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

न्यूजीलैंड के तीन टॉप खिलाड़ी फिन एलन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र कोलकाता में होने के बावजूद, केकेआर उनका अच्छे से यूज नहीं कर पा रही है। एलन ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें मौका मिला है। पिछले टी20 विश्व कप में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सीफर्ट और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविंद्र बेंच पर ही बैठे हैं।

सोशल मीडिया पर लिखी ऐसी भाषा जिसे पढ़कर सब रह गए हैरान

रियान पराग की तारीफ में सारी मर्यादा पार कर गए रवि शास्त्री

जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

रियान पराग की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने अभी तक आईपीएल-2026 में अच्छा किया है। उसने अपने दोनों मैच जीते है। शनिवार को राजस्थान ने अपने दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस को हरा दिया। राजस्थान ने रोमांचक मैच में ये जीत हासिल की और इसके बाद भारत के पूर्व कोच और कप्तान रवि शास्त्री ने पराग की कप्तानी में कुछ ऐसी बात लिख दी जिसे पढ़कर सभी हैरान रह गए।

पराग को इस सीजन राजस्थान का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने इसी फ्रेंचाइजी से अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और लगातार इस टीम का हिस्सा हैं। उनकी कप्तानी में राजस्थान ने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को मात दी थी।

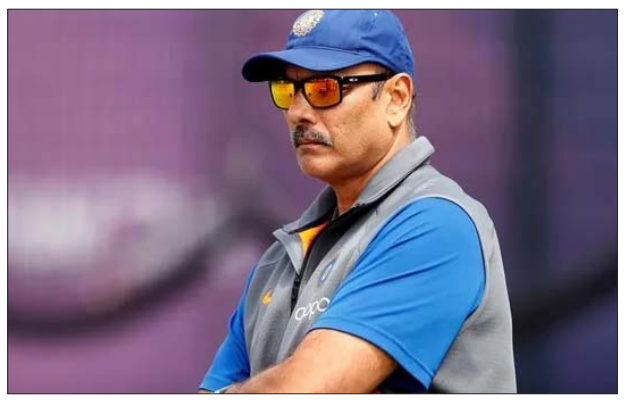

पराग की कप्तानी की हर कोई तारीफ कर रहा है। इसमें रवि शास्त्री का नाम भी है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पराग की तारीफ करते हुए पोस्ट लिखी जिसमें कुछ ऐसी बात लिख दी जिसे पढ़कर हर कोई हैरान रह गया। शास्त्री के पोस्ट को अगर हिंदी में ट्रांसलेट किया जाए तो इसका मतलब सीधा है। शास्त्री ने लिखा, आईपीएल इतिहास का सबसे अच्छा मैच। इस मैच को सहेज कर रख लीजिए। रियान पराग आपका कलेजा स्टील का है और सामने एक शानदार भविष्य है, खासकर लीडरशिप रोल में। शानदार टेम्परामेंट। शानदार खेले। आईपीएल जिंदाबाद।

इस तरह मिली जीत

राजस्थान द्वारा रखे गए 211 रनों का टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात की टीम को आखिरी दो ओवरों में 15 रनों की जरूरत थी। टीम की प्लानिंग जोफ्रा आर्चर से आखिरी ओवर करवाने की थी और 19वां ओवर तुषार देशपांडे को देने का फैसला हुआ था, लेकिन पराग ने उप-कप्तान ध्रुव जुरेल से बात करने के बाद फैसला बदला और आर्चर को 19वां ओवर दिया। यहीं मैच का पासा पलट गया और राजस्थान को छह रनों से जीत मिली।

मनोरंजन

पति राघव चड्ढा को परिणीति चोपड़ा पर हुआ गर्व, नई शुरुआत पर जताई खुशी

'हमेशा तुम्हारे साथ हूं'

गौरान्वित

नई दिल्ली,एजेंसी

परिणीति चोपड़ा ने एक नई शुरुआत की है जिसके बाद राघव चड्ढा अपनी लेडी लव पर प्यार लुटाने और उनका सपोर्ट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

दरअसल, परिणीति चोपड़ा अपना चैट शो शुरू कर रही हैं। मॉम टॉक्स के नाम से यह टॉक शो जी5 पर स्ट्रीम होगा। परिणीति ने एक पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी अपने फैंस को दी है। राघव चड्ढा इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्हें

राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हटा दिया गया। राजनीतिक जगत में इस मामले को लेकर काफी हलचल है। परिणीति लगातार अपने पति का सपोर्ट कर रही हैं।

परिणीति चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार इम्तियाज अली की फिल्म चमकीला में देखा गया था। इन दिनों एक्ट्रेस अपने ओटीटी डेब्यू की तैयारी में हैं। वह अपकमिंग सीरीज तलाशः अ मदर्स सर्च में नजर आएंगी, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। इसके अलावा वह मां बनने के बाद मॉम टॉक्स को भी लॉन्च कर रही हैं।

"परिणीति चोपड़ा के चैट शो का पहला एपिसोड भी जारी हो गया। इस चैट शो में मदरहुड के बारे में बात की जाएगी। जैसे ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अनाउंसमेंट की, फैंस और सेलिब्रिटीज उनकी तारीफों में जुट गए। अब परिणीति के इस नए चैप्टर को लेकर राघव चड्ढा का भी रिएक्शन आया है।

बीवी के सपोर्ट में उतरे राघव चड्ढा

राघव चड्ढा अपनी पत्नी परिणीति चोपड़ा पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह हमेशा बीवी का सपोर्ट करते रहेंगे। परिणीति के पोस्ट पर राघव ने कमेंट किया, ₹बहुत गर्व है। बधाई हो। हमेशा तुम्हारे साथ हूं।₹ राघव के अलावा वरुण धवन ने भी परिणीति का सपोर्ट किया।

रियल लाइफ चौधरी असलम की पत्नी नौरीन का फूटा गुस्सा

'धुरंधर 2 देखने के बाद से बेटा उदास'

नई दिल्ली। पाकिस्तान के एसपी चौधरी असलम की पत्नी नौरीन असलम धुरंधर को लेकर शुरू से ही रिएक्शन दे रही हैं। नौरीन ने बताया कि जब उनके बच्चों ने धुरंधर देखी तो उनका क्या रिएक्शन था।

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर और धुरंधरः द रिवेंज सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्में हैं। इस फिल्म में कई किरदार रियल लाइफ कैरेक्टर से इंस्पायर्ड है जिनमें से एक एसपी चौधरी असलम (SP Chaudhary Aslam) भी है। यह किरदार पर्दे पर संजय दत्त ने उतारा। नौरीन ने बताया कि चौधरी असलम का गेटअप-सेटअप वैसा ही

था। जब फिल्म में ब्लास्ट सीन दिखाया गया था तो वह एक पल के लिए थम गई थीं। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए आगे कहा, ₹बाकी चौधरी असलम न बिकता है और ना गद्दार। अगर बिकता और गद्दार होता तो सबके बीच में होता। मेरा बड़ा बेटा बहुत उदास था। उसने कहा कि मम्मा आप किसी भी चैनल या टीवी पर बयान न दें। जो आपको कार्रवाई करनी है, वो आप करें। इन्होंने हमारे बाप को क्या दिखाया है। हमारे बाप की कुर्बानियां हैं। वो जान देकर इधर से गुजरे हैं, वह जान बचाकर भागे नहीं हैं।

पति के सीन पर भड़कीं नौरीन

रियल लाइफ चौधरी असलम की पत्नी नौरीन असलम ने हाल ही में बीबीसी को दिए इंटरव्यू में धुरंधर 2 को देखने के बाद अपनी नाराजगी जाहिर की। साथ ही कहा कि उनका बेटा काफी उदास है। जब नौरीन से पूछा गया कि क्या उन्होंने धुरंधर 2 देखी। तो उन्होंने बताया कि किसी ने उन्हें फिल्म भेजी थी और उन्होंने उसे देखा।

संजय गुप्ता ने वीएफएक्स को लेकर पुराना ट्वीट शेयर किया

नई दिल्ली, एजेंसी

डायरेक्टर संजय गुप्ता एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में एक पुराना ट्वीट दोबारा शेयर किया, जिसमें उन्होंने बड़ी फिल्मों के VFX और उनके प्रमोशन के तरीके पर कमेंट किया था।

इस ट्वीट में उन्होंने द मैट्रिक्स, द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स, अवतार, ड्यून और स्टार वार्स जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा था कि इन फिल्मों ने अपने शानदार विजुअल इफेक्ट्स के बावजूद रिलीज से पहले खुद की तारीफ नहीं की, बल्कि उनका काम खुद बोलता था।

संजय गुप्ता का यह ट्वीट ऐसे समय में सामने आया है, जब फिल्म रामायण के VFX को लेकर चर्चा हो रही है। ऐसे में उनके इस ट्वीट को रामायण के संदर्भ में जोड़कर देखा जा रहा है।

इससे पहले भी संजय गुप्ता खबरों में आ चुके हैं, जब उन्होंने ट्वीट किया था, "खोदा पहाड़ निकला

कहा- रिलीज से पहले खुद की तारीफ नहीं की जाती, क्या रामायण पर तंज कसा?

चूहा", जिसे लोगों ने फिल्म रामायण के टीजर पर तंज माना था, क्योंकि उनका यह ट्वीट रामायण में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर का लुक सामने आने के बाद किया गया था। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया था कि उनका बयान किसी खास फिल्म के लिए नहीं था।

फिल्म रामायण से भगवान राम का लुक हनुमान जयंती पर सामने आया। टीजर में युद्ध के सीन और शानदार VFX भी दिखे, जिसकी कई लोगों ने तारीफ की है।

पिता की तरह उल्का गुप्ता ने भी चुनी अभिनय की राह, उल्का गुप्ता के पिता का शाह रुख खान से कनेक्शन

300 लड़कियों को पछाड़कर 'झांसी की रानी' बनी थीं उल्का

मुंबई। द केरल स्टोरी 2 : गोज बियांड से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाली अभिनेत्री उल्का गुप्ता दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी काम कर रही हैं। उनकी आगामी तेलुगु फिल्म भूमिका चावला के साथ है। उल्का हमेशा से जानती थीं कि उन्हें अभिनय ही करना है।

वह कहती हैं कि मेरे खून में अभिनय है। मैं एक्टर के घर पर पैदा हुई हूं। मेरे पिताजी गगन गुप्ता भी एक्टर हैं। वह 15 साल की उम्र में बिहार छोड़कर एक्टर बनने के सपने को लेकर मुंबई आए थे। हम तीनों भाई बहनों को पापा घर पर ही बैठे-बैठे थिएटर की शिक्षा देते रहे हैं।

कभी कहते थे कि कविता लिखी है, गाकर सुनाओ या नेताजी सुभाष चंद्र बोस का डायलॉग बोलकर दिखाओ। मेहमानों के सामने भी

हमसे एक्टिंग करके दिखाने के लिए कहते थे। हम पिताजी की कठपुतली की तरह शुरू हो जाते थे। मैंने छह साल की उम्र से ही ऑडिशन देना शुरू कर दिया था। फिर कई धारावाहिकों में काम किया। किस कलाकार के साथ काम करते हुए उन्हें फैन वाला अहसास हुआ? इस पर उल्का कहती हैं कि अमिताभ बच्चन सर से, जब मुझे पता चला था कि वह फिल्मिस्तान में शूट कर रहे है, तो मैं उनसे वहां मिलने पहुंच गई थी। बाकी किसी स्टार को देखकर फैन वाला पल नहीं रहा, क्योंकि मेरे पास बचपन से ही उन्हें देखने की पहुंच थी। मेरे पापा शाह रुख खान सर के बहुत अच्छे दोस्त हैं। उनके सभी फिल्मों के प्रीमियर पर बचपन से जाती रही हूं, तो वहां काजोल, रानी मुखर्जी मैम ऐसे कई सितारों को देखा है। वह एक्सपोजर हमेशा से रहा है। मुझे दक्षिण भारतीय कलाकारों से काफी कुछ सीखने को मिलता है। चाहे अभिनेता हो या अभिनेत्री वह बेहद सादगी से रहते हैं।

सात फेरे से मिली थी पहचान

जेडी मजेठिया के धारावाहिक रेशमडंक से शुरुआत की थी। उन दिनों बाल कलाकार को थोड़ा-बहुत ही काम मिलता था। कई छोटे-छोटे रोल करने के बाद मैंने सात फेरे धारावाहिक में सलोनी की बेटी का रोल निभाया था। मुझे उस कहानी ने प्रेरित किया, जहां पहली बार मैंने मुख्य अभिनेत्री को सांवली देखा था और शो में रंगभेद के खिलाफ बात हो रही थी। उन दिनों ऑडिशन देना मुश्किल होता था, मैं कई ऑडिशन करती रही और फिर मुझे झांसी की रानी का रोल मिला। 200-300 लड़कियों में मुझे चुना गया था। मेरे मम्मी-पापा ने हमेशा मुझे जमीन से जोड़े रखा है। मैं हिंदी के साथ तेलुगु, बंगाली और मराठी फिल्में भी कर चुकी हूं। अभिनय का ही लालच है, जो हर भाषा में काम करवा रहा है। मैं खुद सात भाषाएं बोल लेती हूं।

रक्षा मंत्री आसिफ बोले- हम कोलकाता तक पहुंचेंगे और उनको घर में घुसकर मारेंगे

पाकिस्तान ने दी भारत को धमकी अगला संघर्ष सीमा तक नहीं रहेगा

चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए भारत को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला) करता है, तो इस बार संघर्ष सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है।

ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारत अपने लोगों या हिरासत में बंद पाकिस्तानियों का इस्तेमाल करके झूठा ड्रामा रचने की योजना बना रहा है। पिछले साल की तरह इस बार भारत को और ज्यादा शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने भी विवादास्पद बयान दिया था। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला कर दे तो पाकिस्तान को बिना एक पल सोचे मुंबई और नई दिल्ली पर हमला कर देना चाहिए। बासित ने कहा, "अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है तो हम अमेरिका तक नहीं पहुंच सकते क्योंकि वह हमारे न्यूक्लियर रेंज में नहीं है। ऐसे में हमारा क्या विकल्प होगा? भारत। बाद में जो होगा देख लेंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि यह सबसे खराब स्थिति है, जो संभव नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान पर कोई खतरा मंडराए तो भारत पर हमला करना पाकिस्तान के पास विकल्प होगा। 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सियालकोट में पत्रकारों से बात की।

आसिफ ने कहा कि शवों को कहीं रखकर पाकिस्तान पर आतंकवाद का आरोप लगाया जा सकता है, लेकिन उन्होंने (भारत ने) इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया।

भारतीय रक्षा मंत्री बोले थे- पाकिस्तान ने गंदा खेल खेला तो जवाब देंगे

ख्वाजा आसिफ के इस बयान पर भारत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरलम में एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को साफ चेतावनी दी थी।

उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान फिर कोई गलत कदम उठाएगा तो भारतीय सेना निर्णायक जवाब देगी। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और अगर पाकिस्तान ने दोबारा गंदा खेल खेला तो भारतीय सैनिक ऐसा जवाब देंगे जो वे कभी नहीं भूलेंगे।

अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक पाकिस्तान के उच्चायुक्त के रूप में भारत में तैनात रह चुके हैं।

भारत पर प्रॉक्सी वॉर चलाने का आरोप लगा चुके ख्वाजा आसिफ

ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में कहा था कि भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और काबुल की सोच एक जैसी है।

आसिफ ने कहा जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान अफगानिस्तान में दोबारा कार्रवाई कर सकता है। अगर अफगानिस्तान की ओर से शांति की कोई ठोस गारंटी नहीं मिलती है, तो पाकिस्तान वहां नए हमले करने से पीछे नहीं हटेगा।

जंग के बीच पैसा बनाने में जुटे ट्रंप के बेटे

खाड़ी देशों पर डाल रहे हथियार खरीदने का दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और इजरायल-ईरान युद्ध के बीच तनावपूर्ण माहौल में एक नया विवाद सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनल्ड ट्रंप जूनियर पर खाड़ी देशों पर मिसाइल और ड्रोन सौदों में दबाव डालने का आरोप लगा है।

डोनल्ड ट्रंप जूनियर ने अपनी कंपनी के माध्यम से खाड़ी देशों को इंटरसेप्टर ड्रोन और मिसाइल सिस्टम बेचने की कोशिश की है। पेंटागन के दस्तावेजों में यह खुलासा हुआ है कि ट्रंप जूनियर की कंपनी पॉलराइड स्थित ऑटोनॉमस ड्रोन कंपनी पावस में प्रमुख निवेशक है।

यह कंपनी अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के लिए ड्रोन और मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति करने में सक्रिय बताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि ट्रंप जूनियर व्यक्तिगत रूप से कुछ खाड़ी देशों के अधिकारियों से संपर्क कर इन हथियारों की बिक्री पर जोर दे रहे हैं।

पेंटागन ने हाल ही में ड्रोन और मिसाइल डिफेंस के लिए करीब 10,201 करोड़ रुपये का विशेष फंड आवंटित किया है। इस फंड का उद्देश्य अमेरिकी सहयोगी देशों को उन्नत ड्रोन और इंटरसेप्टर सिस्टम उपलब्ध कराना है, ताकि वे ईरान और चीन-रूस गठबंधन से उत्पन्न खतरे का मुकाबला कर सकें।

ट्रंप जूनियर की कंपनी इस फंड से लाभ उठाने की तैयारी में है।

फास्ट न्यूज

वेणु श्रीनिवासन ने टाटा ट्रस्ट से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप के सात ट्रस्टों के वाइस चेयरमैन और TVS मोटर के चेयरमैन एमेरिटस वेणु श्रीनिवासन ने शनिवार (4 अप्रैल) को 'बाई हीराबाई चैरिटेबल ट्रस्ट' (टाटा ट्रस्ट) के ट्रस्टी पद से इस्तीफा दे दिया। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, श्रीनिवासन ने अपने इस्तीफे के पीछे अन्य व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं यानी कमिटमेंट्स का हवाला दिया।

टॉप-10 कंपनियों में से 6 की वैल्यू 64,734 करोड़ घटी

नई दिल्ली । मार्केट कैप के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 6 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 64,734.46 करोड़ रुपए घट गई। मिडिल ईस्ट में तनाव और इजराइल-ईरान जंग की वजह से यह गिरावट आई है।

इस दौरान भारती एयरटेल की वैल्यू सबसे ज्यादा घटी। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 29,993.07 करोड़ रुपए घटकर 10.20 लाख करोड़ पर आ गया। ICICI बैंक की मार्केट वैल्यू 12,845.81 करोड़ घटकर 8.70 लाख करोड़ पर आ गई।

24 घंटे लोकेशन पर नजर, फुल प्रूफ प्लानिंग

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच बीते दिनों ईरान ने अमेरिकी फाइटर जेट F-15E जेट को मार गिराया। इस दौरान फाइटर जेट का एक पायलट सुरक्षित बच गया, जबकि दूसरा लापता हो गया। जिसको लेकर अमेरिकी सेना बचाव अभियान चला रही थी। इस बीच ट्रंप ने पुष्टि की है कि ईरान में लापता पायलट को सुरक्षित बचा लिया गया है।

आरबीआई मीटिंग में ब्याज दर में बदलाव की संभावना कम

एसबीआई रिसर्च-ग्लोबल अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतें इसका कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की बैठक 6-8 अप्रैल को होने वाली है। बाजार को उम्मीद थी कि इस बार शायद ब्याज दरों में कुछ राहत मिले, लेकिन पश्चिम एशिया (वेस्ट एशिया) में बढ़ते तनाव ने समीकरण बदल दिए हैं।

SBI रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबल अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को देखते हुए RBI फिलहाल रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। इससे पहले फरवरी में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर में बदलाव नहीं हुआ था। अभी ब्याज दर 5.25% पर है।

SBI रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने पूरी दुनिया को संकट में डाल दिया है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने जैसी स्थिति से ग्लोबल ऑयल मार्केट में 1973 के बाद का सबसे बड़ा व्यवधान पैदा हुआ है। युद्ध की शुरुआत के बाद यह पहली पॉलिसी समीक्षा है, इसलिए RBI काफी फूंक-फूंक कर कदम उठाएगा।

डॉलर के मुकाबले रुपया 93 के पार, बढ़ेगी 'इंपोर्टेड इन्फ्लेशन'

भारत इस ग्लोबल संकट से अछूता नहीं है। कच्चे तेल की कीमतें $100 प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई हैं, जिससे भारत में 'इंपोर्टेड इन्फ्लेशन' (आयातित महंगाई) बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया 93 के स्तर को पार कर गया है। इसके साथ ही 'सुपर अल नीनो' का खतरा भी बना हुआ है, जो आने वाले समय में महंगाई की स्थिति को और बिगाड़ सकता है।

घरेलू मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि आयातित महंगाई पहले ही 5.4% पर पहुंच चुकी है और इसके आगे भी बढ़ने के आसार हैं। अनुमान है कि अगले तीन तिमाहियों तक कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) आधारित महंगाई 4.5% से ऊपर बनी रह सकती है।

ईरान ने मार गिराया अमेरिका का सी-130 विमान- अमेरिकी अधिकारियों का दावा

लापता पायलट को रेस्क्यू करने आया था अमेरिका का सी-130 एयरक्राफ्ट

दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान ने अमेरिके F-15 और A-10 फाइटर जेट मार गिराने के बाद लड़ाकू विमान C-130 पर हमले का दावा किया है। फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, नष्ट किया गया विमान C-130 श्रेणी का एक मालवाहक विमान था, जिसे ईरान की विशेष पुलिस कमांडो यूनिट फराज रेंजर्स ने निशाना बनाया।

दरअसल, ईरान ने बीते दिनों अमेरिका का के F-15 फाइटर जेट मार गिराया। इस दौरान इसमें सवार एक पायलट सुरक्षित बच गया, जबकि दूसरा लापता हो गया था। जिसे आज अमेरिकी सैनिकों ने बचाव अभियान के दौरान खोज निकालने की खबर सामने आई है।

तसनीम समाचार एजेंसी ने प्रांतीय अधिकारी इराज काजेमीजू के हवाले से बताया कि दक्षिण-पश्चिमी कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत के कोह-ए सियाह इलाके में कल रात हुए हमले में पांच लोग मारे गए।

ईरानी सशस्त्र बलों की एकीकृत कमान, खातम अल-अंबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि मार गिराए गए विमानों में एक C-130 सैन्य परिवहन विमान और दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर शामिल थे। इससे पहले रविवार को, ईरान की सेना ने भी कहा था कि उन्होंने उसी प्रांत में एक इजरायली ड्रोन को मार गिराया है।

सी-130 को मार गिराने का दावा

ईरान का दावा है कि उसने इस्फहान में अमेरिकी विमान C-130 को मार गिराया। ईरानी अधिकारियों का दावा है कि यह विमान पायलट को बचाने वाले मिशन में शामिल था। इससे पहले अमेरिका इस मिशन में लगे दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टरों के नष्ट होने की पुष्टि कर चुका है लेकिन C-130 के बारे में अमेरिका की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ईरान की पुलिस कमांड ने घोषणा की कि इस्फहान के दक्षिण में एक अमेरिकी C-130 विमान को मार गिराया गया है। समूह ने कहा, ₹एक संयुक्त अभियान (एयरोस्पेस, थल सेना, लोकप्रिय इकाइयां, बासिज और पुलिस कमांड) के दौरान, दुश्मन की उड़ने वाली चीजों को नष्ट कर दिया गया।

चीनी कंपनियों का बड़ा खेल

एआई और ओपन डेटा के जरिए अमेरिकी सैन्य ठिकानों की जासूसी का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच हैरान करने वाली खबर सामने आई है। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और ओपन-सोर्स डेटा का इस्तेमाल कर रही हैं। जिससे अमेरिका में युद्ध के मैदान में निगरानी से जुड़े उभरते जोखिमों को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

चीन की ज्यादा से ज्यादा निजी कंपनियां ऐसे इंटेलिजेंस टूल बाजार में ला रही हैं, जो अमेरिकी सेना की गतिविधियों को बेनकाब करने का दावा करते हैं। ऑनलाइन पोस्ट में अमेरिकी विमान वाहक पोतों की गतिविधियों, विमानों की स्थिति और सैन्य ठिकानों पर होने वाली हलचल की बारीक जानकारियां सामने आई हैं। इसमें शामिल कुछ कंपनियों के चीन के सैन्य तंत्र से संबंध बताए जा रहे हैं। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ये कंपनियां बीजिंग के उस व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं, जिसके तहत निजी क्षेत्र के नवाचारों को रक्षा क्षमताओं में एकीकृत किया जा रहा है।

अमेरिकी अधिकारी और विश्लेषक इस खतरे की गंभीरता को लेकर बंटे हुए हैं। कुछ अधिकारी सवाल उठा रहे हैं कि क्या इन उपकरणों का सक्रिय रूप से दुश्मनों द्वारा उपयोग किया जा रहा है। वहीं, कुछ चेतावनी दगे रहे हैं कि इनकी बढ़ती परिष्कृतता भविष्य के संघर्षों में अमेरिका के लिए सैन्य गतिविधियों को छिपाना मुश्किल बना सकती है।

एआई के जरिए पता कर रही सैन्य ठिकानों की जानकारी

दरअसल, एक ओर जहां चीनी निजी कंपनियां सैटेलाइट तस्वीरों, फ्लाइट ट्रैकर्स और शिपिंग डेटा को AI के जरिए प्रोसेस करके अमेरिकी विमान वाहक पोतों और सैन्य ठिकानों की सटीक स्थिति बेनकाब करने का दावा कर रही हैं। वहीं, दूसरी ओर चीन सार्वजनिक रूप से इसको खुद से अलग रखने का दावा कर रहा है।

> **"चीन ने प्रत्यक्ष रूप से ईरान युद्ध में हस्तक्षेप से परहेज करते हुए युद्धविराम और शांति वार्ता की अपील की है। भले ही उसका निजी क्षेत्र युद्ध का लाभ उठा रहा हो। विश्लेषकों का कहना है कि यह दोहरी रणनीति चीन को औपचारिक रूप से संघर्ष में प्रवेश किए बिना रणनीतिक रूप से लाभ उठाने की अनुमति देती है।**

दावा: एपस्टीन और अनिल अंबानी के बीच सैकड़ों मैसेज-ईमेल हुए

यौन अपराधी ने खुद को व्हाइट हाउस का इनसाइडर बताया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने 2017 में उद्योगपति अनिल अंबानी के सामने खुद को डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के व्हाइट हाउस के 'इनसाइडर' की तरह पेश किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच दो साल तक सैकड़ों मैसेज और ईमेल हुए। इनमें एपस्टीन ने ट्रम्प प्रशासन की नियुक्ति व विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां साझा कीं, जो बाद में सही भी निकलीं। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि एपस्टीन की व्हाइट हाउस तक सीधी पहुंच थी। मैसेज में अनिल अंबानी ने एपस्टीन को लिखा था- 'भारत के रिश्ते और रक्षा सहयोग के लिए व्हाइट हाउस से डील करने में आपकी गाइडेंस चाहिए।' जवाब में एपस्टीन ने 'इनसाइड' जानकारी देने का वादा किया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से जारी मैसेज के रीव्यू के आधार पर बताया कि अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच बातचीत सिग्नल और टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर होती थी, जहां अंबानी 'अरमानी ए' नाम से सक्रिय थे। यह संपर्क उस दौर का है, जब एपस्टीन नाबालिगों से जुड़े अपराधों में जेल की सजा काट चुका था। इनका परिचय दुबई की कंपनी डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलायेम ने कराया था। एपस्टीन ने जब दीपक चोपड़ा से अंबानी के बारे में राय मांगी, तो चोपड़ा ने उन्हें 'बेहद अमीर, चर्चा में रहने का शौकीन और सेलेब्स के प्रति सजग' व्यक्ति बताया था।

मैसेज में एपस्टीन खुद को असरदार पावर ब्रोकर के रूप में पेश करता दिखा। मार्च 2017 में अनिल अंबानी ने एपस्टीन से पूर्व सीआईए डायरेक्टर डेविड पेट्रेयस के भारत में अमेरिकी राजदूत बनने की संभावना पूछी थी।

एपस्टीन ने जवाब दिया था- वे प्राथमिकता में नहीं हैं। बाद में केनेथ जस्टर राजदूत बने। जुलाई 2017 में एपस्टीन ने यह 'इनसाइड' जानकारी भी दी कि जॉन बोल्टन नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) होंगे।

संकट : मिडिल ईस्ट तनाव से वैश्विक ऊर्जा बाजार अस्थिर हुआ, ईरान युद्ध से और बिगड़े हालात

पेट्रोल की कीमतें हांगकांग में दुनिया में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग रुकावट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार पूरी तरह से अस्थिर हो गया है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं, जिसका सीधा असर लॉजिस्टिक्स, परिवहन और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ रहा है। दुनिया भर में महंगाई बढ़ने के संकेत दिखाई दे रहे हैं, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी और महंगी हो गई है। हांगकांग के लोग दुनिया में पेट्रोल की सबसे ज्यादा कीमतों का सामना कर रहे हैं, क्योंकि वैश्विक ऊर्जा बाजार दबाव में हैं और कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

हांगकांग में दुनिया की सबसे महंगी पेट्रोल कीमतें

वैश्विक तेल कीमतों में यह तेज उछाल तेल उत्पादक खाड़ी देशों के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले एक महत्वपूर्ण शिपिंग गलियारे में आई रुकावट के कारण हुआ है।

पिछले एक महीने में, इन घटनाओं ने दुनिया भर में तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की है, जिससे एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है, जो इस क्षेत्र से आने वाली ऊर्जा आपूर्ति पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हांगकांग के लिए कोई नई बात नहीं है, क्योंकि यह देश इस ताजा संकट से पहले भी ऊंची कीमतों से जूझ रहा था। ईरान से जुड़े संघर्ष से पहले भी, यह शहर लगातार पेट्रोल के लिए सबसे महंगी जगह के तौर पर शुमार रहा है।

हांगकांग तेल के लिए चीन पर निर्भर

विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर मिडिल ईस्ट का तनाव जारी रहा तो हांगकांग समेत पूरी दुनिया में ईंधन और अन्य वस्तुओं की कीमतें और बढ़ सकती हैं, जिससे आम आदमी की जिंदगी और महंगी हो जाएगी।

अधिकारियों ने आपूर्ति की स्थिरता को लेकर जनता को आश्वस्त करने की कोशिश की है। मुख्य कार्यकारी जॉन ली ने पहले तेल की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई थी और कहा था कि सरकार बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर कड़ी नजर रखेगी। अधिकारियों का कहना है कि आपूर्ति सुरक्षित बनी हुई है, और हांगकांग के लगभग 80% तेल चीन से आते हैं।

हांगकांग में लंबे समय से बड़े शहरों की तुलना में निजी कार रखने वालों की संख्या कम रही है। ऊंची ईंधन कीमतें, महंगी पार्किंग और भारी रजिस्ट्रेशन फीस के कारण ज्यादातर लोग विशाल पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क पर ही निर्भर रहते हैं।

सरकार ने हाल ही में ईंधन कीमतों की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए साप्ताहिक अपडेट जारी करने का फैसला किया है। हालांकि, उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

दुबई में ड्रोन हमले की फोटो शेयर करना पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने बड़ी कार्रवाई की है। यूएई ने दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास हुए ड्रोन हमले के नुकसान की तस्वीर एक निजी व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर करने के आरोप में 25 वर्षीय ब्रिटिश फ्लाइट अटेंडेंट को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की सामग्री सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है। अगर ब्रिटिश नागरिक दोषी पाया जाता है तो उस पर 50 लाख रुपये तक भारी जुर्माने के साथ दो साल की जेल हो सकती है।

डेली मेल की रिपोर्टस के अनुसार, 25 वर्षीय ब्रिटिश फ्लाइट अटेंडेंट को एक निजी व्हाट्सएप ग्रुप में दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास नुकसान दिखाने वाली एक तस्वीर पोस्ट करने के बाद हिरासत में लिया गया है। जहां उसने सहकर्मियों से पूछा था कि क्या हवाई अड्डे के माध्यम से चलना सुरक्षित है। बाद में अधिकारियों ने उसके फोन की तलाशी ली और उस पर देश के कड़े साइबर अपराध कानूनों के तहत आरोप लगाए।

दुबई में हिरासत का यह पहला मामला नहीं है, बल्कि 18 मार्च तक एक ही कार्रवाई में कम से कम 35 लोगों को हिरासत में लिया गया था। आरोप है कि इन आरोपों में 70 से अधिक ब्रिटिश नागरिक प्रभावित हैं, जिसमें टूरिस्ट, एक्सपैट और केबिन क्रू शामिल हैं। दुबई में डिटेन्ड की सीईओ राधा स्टर्लिंग ने एक बयान में कहा, ₹संघर्ष के बारे में अनगिनत छवियां, वीडियो और समाचार रिपोर्टें ऑनलाइन प्रसारित हो रही हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96